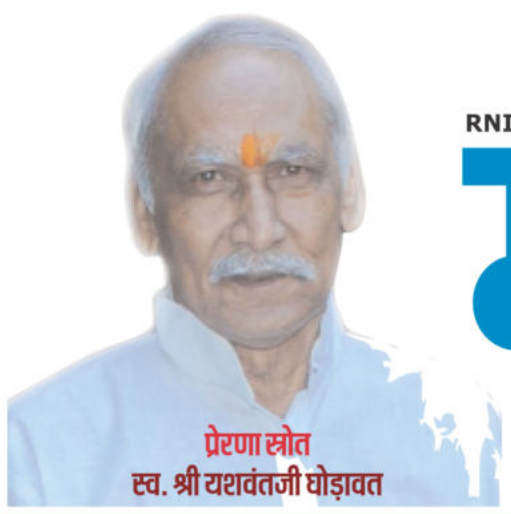

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

सूर्यास्त होने तक मत रूको चीजें तुम्हें त्यागने लगें, उससे पहले तुम्ही उन्हें त्याग दो।

रामधारी सिंह दिनकर

वर्ष-06, अंक - 20 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 08 फरवरी 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

रतलाम-झाबुआ संसदीय सीट भाजपा के लिए हमेशा चुनौती रही

मोदी द्वारा 2024 चुनाव का आगाज यहीं से...

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। आजादी के पश्चात झाबुआ-अलीराजपुर की सीटों पर अधिकतर समय कांग्रेस का ही कब्जा रहा। यही नहीं पूर्व में झाबुआ सीट वर्तमान में रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर संसदीय सीट 2014 तक भाजपा के लिए टेढ़ी खीर रही, 2014 में मोदी लहर और कई बार कांग्रेस से सांसद रहे वरिष्ठ आदिवासी नेता स्वर्गीय दिलीप सिंह भूरिया ने भाजपा से जीतकर इस संसदीय सीट पर कमल खिलाया लेकिन यह कमल ज्यादा समय तक नहीं रह पाया। सांसद रहते दिलीप सिंह भूरिया के निधन के पश्चात उपचुनाव में तात्कालिक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की कई सभाओं और हजारों घोषणाओं के बाद भी दिलीप सिंह भूरिया की बेटी सुश्री निर्मला भूरिया नहीं जीत पाई थी। लेकिन 2019 के चुनाव में नौकरशाह से सेवानिवृत होकर राजनीति में कदम रखने वाले तात्कालिक झाबुआ विधायक रहे गुमान सिंह डामोर ने कांग्रेस के कद्दावर नेता कांतिलाल भूरिया को हराकर पहली बार गैर कांग्रेसी पृष्ठभूमि के रूप में भाजपा का कमल खिलाया।

विधानसभा चुनाव का गणित

लगभग 3 माह पूर्व हुए उपचुनाव के आधार पर देखे तो यहां भी आठ विधानसभा से मिलकर हुए चुनाव में बने संसदीय क्षेत्र की 3 सीटे कांग्रेस के पास, चार सीट भाजपा के पास व 1 सीट भारत आदिवासी पार्टी के पास है। सीटों के लिहाज से भले ही भाजपा के पास बढ़त है लेकिन वोट का प्रतिशत देखे तो यहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत है। यहां तक की झाबुआ जिला मुख्यालय की सीट पर प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी चुनावी सभा के बाद भी बड़े अंतर से कांग्रेस ने यह सीट जीत ली थी। भाजपा ने इसे चुनौती माना है और एक बार झाबुआ विधानसभा सीट से ही चुनावी शंखनाद करने जा रही है वो भी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा।

2001 के हिंदू संगम के बाद बदला माहौल

2001 के पूर्व इस संसदीय सीट के साथ ही यहां की विधानसभाओं के बारे में भी कहा जाता था कि, यहां पंजे का निशान जीत की गारंटी है। यहां के मतदाता, उम्मीद्वार नहीं पार्टी को देखते हैं और एक तरफ पंजे के निशान पर ही वोट डालते हैं लेकिन 2001 में यहां आयोजित हुए विशाल हिंदू सम्मेलन के बाद यहां की स्थिति बदली और 2003 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अविभाजित झाबुआ जिले की पांचों सीटे जीतकर इतिहास रच दिया है। लेकिन महज कुछ माह पश्चात हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर वापसी कर भाजपा सहित सभी को चौंका दिया था। जिले में देखा जाए तो झाबुआ-थांदला और जोबट सीट पर कांग्रेस मजबूत स्थिति में है। वही रतलाम शहर और ग्रामीण में भाजपा की जड़े मजबूत है, सैलाना में भाजपा की हालत पतली है। वहीं थांदला-पेटलावद और अलीराजपुर में दोनों ही दल कांटे के मुकाबले में है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रचार के आगाज के लिए भाजपा के लिए सबसे कमजोर कड़ी झाबुआ विधानसभा को चुनकर एक तीर से कई शिकार करने का प्रयास कर रहे हैं। अब वे इसमें कितने सफल हो पाते हैं यह तो आगामी चुनाव के परिणाम ही तय करेंगे।

प्रमुख मुद्दे

8 विधानसभाओ में फैले इस संसदीय सीट का क्षेत्रफल काफी विस्तृत है, भौगोलिक स्थिति भी अलग है लेकिन प्रमुख मु. द्दा रोजगार ही है। यहां के निवासी अपना श्रम बेचकर आजीविका चलाते हैं और श्रम के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में जाते हैं। गर्मियों में इस क्षेत्र के कई गांव खाली हो जाते हैं।

दूसरा प्रमुख मुद्दा शिक्षा और स्वास्थ्य का है। शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि के लिए आजादी के बाद से ही काफी प्रयास हुए, कार्य हुए लेकिन आजादी के अमृतकाल तक भी वे प्रयास और कार्य अभी तक नाकामी ही साबित हुए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में इस संसदीय क्षेत्र रतलाम में एक मेडिकल कॉलेज खोला गया है लेकिन क्षेत्र बड़ा होने से झाबुआ में मेडिकल कॉलेज की मांग लंबे समय से की जा रही है। क्योंकि झाबुआ और अलीराजपुर जिले के रहवासी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अभी भी गुजरात के दाहोद और बड़ौदा पर निर्भर है।

वही रोजगार के लिए भी औद्योगिक क्षेत्र की मांग लंबे समय से की जा रही है। झाबुआ और अलीराजपुर के किसान अब पारंपरिक के साथ ही आधुनिक खेती से जुड़ गए हैं। ऐसे में कृषि आधारित उद्योग से स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। वहीं किसानों को भी अपनी उपज का वाजिब दाम मिल सकता है और उन्हें बेहतर विकल्प भी मिल सकता है।

पेयजल

जिले में पेयजल का भी संकट है, यहां वर्ष में लगभग 6 माह तक जिले के विभिन्न गांवो में जल संकट रहता है। कहने को तो प्रधानमंत्री मोदी की हर घर नल योजना से काफी कार्य किया जा रहा है लेकिन उसकी वास्तविकता अगर वरिष्ठ अधिकारी और नेता देखेंगे तो पता चलेगा कि, प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना को उन्हीं के भ्रष्ट नेता और अफसर कैसे पानी फेर रहे हैं। इस योजना में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है और केवल टंकी और पाइप बिछाकर कार्य की इतिश्री की जा रही है।

प्रधानमंत्री से अपेक्षाएं

प्रधानमंत्री के इस दौरे का उद्देश्य भले ही चुनावी हो लेकिन देश के प्रधानमंत्री को अपने बीच पाने को लेकर जिले वासी उत्साही है। लोगों का कहना है कि, पूर्व में प्रधानमंत्री वोट मांगने के लिए झाबुआ आए थे और तब आचार संहिता लगी थी ऐसे में कोई घोषणा संभव नहीं थी। लेकिन वर्तमान में मोदी जी देश के प्रधानमंत्री के रूप में जिले में आ रहे हैं और आचार संहिता भी नहीं है ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री जिले को कोई बड़ी सौगात दे या फिर जिले के संबंध में कोई बड़ी योजना लागू करने की घोषणा करें... अब क्या होता है यह तो कहना संभव नहीं है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का झाबुआ जिले की धरती पर स्वागत... वंदन... अभिनंदन... !

99 फीसदी टूट गया था अंबानी की कंपनी का शेयर

नई दिल्ली। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयर तूफान बन गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर बुधवार को 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 27.30 रुपए पर पहुंच गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर अपने ऑल टाइम हाई से 99 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गए थे। रिलायंस पावर के शेयर इधर पिछले कुछ वर्ष में 1 रुपए से बढ़कर 27 रुपए के पार पहुंच गए हैं। इस अवधि के दौरान रिलायंस पावर के शेयरों में 2300 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है।

रिलायंस पावर के शेयर अपने हाई से 99 फीसदी से ज्यादा टूट गए थे। कंपनी के शेयर 16 मई 2008 को 260.78 रुपए पर थे। रिलायंस पावर के शेयर लुढ़कते हुए 27 मार्च 2020 को 1.13 रुपए पर पहुंच गए थे। इस लेवल के बाद रिलायंस पावर के शेयरों में अच्छी रिकवरी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 7 फरवरी 2024 को 27.30 रुपए पर पहुंच गए हैं। रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले 4 वर्ष से भी कम में 2315 पर्सेंट का उछाल आया है। वहीं, पिछले 3 वर्ष में कंपनी के शेयरों में 775 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है।

रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले एक वर्ष में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 8 फरवरी 2023 को 11.69 रुपए पर थे। रिलायंस पावर के शेयर 7 फरवरी 2024 को 27.30 रुपए पर पहुंच गए हैं। पिछले एक वर्ष में कंपनी के शेयरों में 133 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। वहीं, पिछले 6 महीने में रिलायंस पावर के शेयर 53 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। इस अवधि में कंपनी के शेयर 17.79 रुपए से बढ़कर 27.30 रुपए पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 33.10 रुपए है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 9.05 रुपए है।

उत्तराखंड के बाद मध्य प्रदेश में भी लागू होगा यूसीसी?

भोपाल। उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूसीसी विधेयक विधानसभा सत्र में 6 फरवरी को पेश किया। देश की आजादी के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य उत्तराखंड बन सकता है। उत्तराखंड में विधेयक पेश होने के साथ ही मध्य प्रदेश में भी इसे लागू करने की अटकलें लगाईं जा रहीं हैं। एमपी के कैबिनेट मंत्री इंद्र सिंह पंवार ने यूसीसी के लेकर बड़ा बयान दिया है। मंत्री पंवार ने कहा कि, उत्तराखंड के विधानसभा सदन के पटल पर पेश किए गए यूसीसी विधेयक का गहनता से अध्ययन किया जाएगा। यूसीसी विधेयक के हर पहलुओं की बारीकियों से अध्ययन करने के बाद अगर जरूरत पड़े तो उत्तराखंड यूसीसी मॉडल को एमपी में भी लागू किया जा सकता है। इससे पहले एमपी डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने मध्य प्रदेश में यूसीसी लागू करने की बात कही थी। उनका कहना था कि, प्रदेश की जनता को आने वाले दिनों में समान नागरिक संहिता पर जानकारी मिलेगी। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा था कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस हार के डर की वजह मैदान छोड़कर भाग रही है।

पाकिस्तान ने सभी व्यापार को 'एकतरफा' रोक दिया...!

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि, पाकिस्तान के साथ कुछ मात्रा में व्यापार भूमि और समुद्री मार्गों के माध्यम से किया जा रहा है, लेकिन पड़ोसी देश ने भूमि सीमा के माध्यम से सभी व्यापार को 'एकतरफा' रोक दिया है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने भी लोकसभा में कहा कि यह पाकिस्तान की जिम्मेदारी है कि वह अपने क्षेत्र के माध्यम से मध्य एशियाई देशों में भारतीय सामानों के पारगमन की अनुमति दे।

पटेल ने कहा कि, पहले जो भी व्यापार होता था, सब अटारी-वाघा सीमा और कराची बंदरगाह के जरिए होता था। उन्होंने कहा कि, अब भूमि मार्ग से कोई व्यापार नहीं किया जा रहा है, लेकिन कुछ व्यापार समुद्र और हवाई मार्ग से किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के साथ समुद्री और हवाई मार्गों के माध्यम से यह व्यापार जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट, इनलैंड कंटेनर डिपो, तुगलकाबाद, मुंद्रा एसईजेड, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स मुंबई और एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स हैदराबाद सहित अन्य के माध्यम से किया जा रहा है।

मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार की संभावना पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि, हमने पाकिस्तान के साथ व्यापार बंद नहीं किया है। मध्य एशिया के साथ व्यापार के संबंध में हमारी कोई भी लेनदेन व्यवस्था पाकिस्तान के माध्यम से होनी है। इसलिए, यह है व्यापार मार्ग खोलने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। पटेल ने कहा कि, व्यापार पर निलंबन भारत द्वारा नहीं बल्कि पाकिस्तान द्वारा 'एकतरफा' लगाया गया था। उन्होंने कहा कि इसलिए जिम्मेदारी पाकिस्तान की है क्योंकि पारगमन उनके क्षेत्र से होना होगा।

नया नाम, नया निशान : एनसीपी पर पवार ने खोया कंट्रोल

मुंबई। शरद पवार को उस समय तगड़ा झटका लगा जब चुनाव आयोग ने उनके भतीजे अजीत पवार के गुट को असली एनसीपी करार दिया। इसके बाद से उनके सियासी वजूद पर खतरा मंडराने लगा हैं। हालांकि, 84 वर्ष के शरद पवार ने अपने अब तक के सियासी सफर में कई झंझावातों का सामना किया है। वह उनसे पार पाने में भी सफल हुए हैं। इसबार भी उनके पास इस झटके से उबरने के लिए अभी दरवाजे बंद नहीं हुए हैं। उनके गुट ने इसकी योजना भी बनाई है।

शरद पवार का गुट अब सबसे पहले पार्टी के लिए एक नए नाम और चुनाव चिन्ह तय करने में जुट गया है, क्योंकि लोकसभा चुनाव के अभी कुछ ही दिन शेष बचे हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए भी मतदान होंगे। इतना ही नहीं, लोकसभा से ठीक पहले अभी राज्यसभा का चुनाव भी होना है। चुनाव आयोग ने शरद पवार गुट को अपने राजनीतिक दल के लिए एक नाम का दावा करने और बुधवार शाम 4 बजे तक का समय दिया था। शरद गुट से तीन नाम और तीन चुनाव चिन्ह का विकल्प मांगा गया है। सुप्रिया सुले ने कल कहा था कि, उनका गुट इसे प्राथमिकता से सौंप देगा।

मुसलमानों पर भी थोप रहे यूसीसी- ओवैसी

नई दिल्ली।

उत्तराखंड विधानसभा में पेश किए गए समान नागरिक संहिता बिल को सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने हिंदू कोड बिल बताया है। उन्होंने कहा कि यह कुछ नहीं बल्कि राज्य के सभी समुदायों पर हिंदू कोड थोपने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि, इसमें हिंदुओं और आदिवासियों को छूट दी गई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, यह हिंदू कोड है, जो सब पर लागू होगा। पहली बात यह कि इसमें हिंदू अविभाजित परिवार की परिभाषा से छेड़छाड़ नहीं की गई है। ऐसा क्यों...? यदि आप उत्तराधिकार और विरासत के लिए एक सा कानून चाहते हैं तो फिर हिंदुओं को इससे बाहर क्यों रखा गया? यदि कोई कानून बहुसंख्यकों पर ही लागू न हो तो उसे समानता वाला कहा जाता सकता है...?

एआईएमआईएम नेता ने कहा कि, सिविल कोड में विवाहित रहते हुए दूसरी शादी, हलाला और लिव-इन रिलेशनशिप की बात की है। लेकिन कोई भी यह सवाल नहीं पूछ रहा है कि आखिर इससे अविभाजित हिंदू परिवारों को बाहर क्यों रखा जा रहा है। उन्होंने यूसीसी पर सवाल उठाते हुए कहा कि, आखिर जब उत्तराखंड जैसे राज्य को बाढ़ के चलते 1000 करोड़ का नुकसान झेलना पड़ा है तो इसकी क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक और सवाल यह है कि आखिर आदिवासियों को इससे बाहर क्यों रखा गया है। यदि एक समुदाय को बाहर ही रखना है तो फिर कैसी समानता है।

उन्होंने कहा कि, एक और सवाल मूलभूत अधिकारों का भी है। मेरे पास अधिकार है कि मैं अपने धर्म और संस्कृति का पालन कर सकूं। यह बिल मुझे मजबूर करता है कि मैं दूसरे के धर्म और संस्कृति का पालन करूं। हमारे मजहब में उत्तराधिकार और शादी के नियम धार्मिक नियमों का हिस्सा हैं। ऐसे में इसे लेकर कानून बनाना संविधान के ही आर्टिकल 25 और आर्टिकल 29 का उल्लंघन है। हमें इस बिल के जरिए दूसरी व्यवस्था में जाने को मजबूर किया जा रहा है।

आतंकी संगठन सिमी का गढ़ रहा है हरदा- उमा भारती

हरदा। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने हरदा हादसे पर बड़ा बयान दिया है। भारती ने विस्फोट में लोगों की मौत और घायलों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि, जो लोग मर गए उनके परिवार के प्रति सहानुभूति है। सूबे में भाजपा की सरकार उनके साथ है और घायलों का इलाज किया जा रहा है लेकिन हरदा हमेशा से सिमी (एसआईएमआई) का गढ़ रहा है।

पूर्व सीएम और भाजपा की कद्दावर नेता उमा भारती ने कहा,' हरदा हमेशा से सिमी (एसआईएमआई) का गढ़ रहा है। एक अवैध स्थान पर विस्फोटक सामग्री का होना और बनना जांच का विषय है। मुख्यमंत्री जी पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। उमा भारती ने घटना के पीछे आतंकी साजिश की आशंका जताई है। उन्होंने कहा, इस इलाके में पहले भी सिमी के लोगो की गतिविधियां रही हैं।

उमा भारती ने घटना के बाद कांग्रेस की तरफ से उठ रहे सवालों पर पलटवार किया है। भारती ने कहा, जब कांग्रेस की सरकार थी पूरे स्वर्ण मंदिर में बारूद भरा हुआ था। हादसे पर वो(कांग्रेस) राजनीति कर रहे हैं। एक बार जब जेल से सिमी के आतंकी भागे थे शिवराज सरकार में सब उड़ा दिए गए थे। सूबे में भाजपा सरकार मामले की जांच कर रही है, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फैक्ट्री के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिजली बिल जीरो से बुलेट ट्रेन तक, पीएम ने बताया तीसरी सरकार का रोडमैप

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के बाद राज्यसभा में बुधवार को भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने आने वाले पांच वर्षों में देश में क्या-क्या विकास होगा, इस पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने दावा किया कि, तीसरे कार्यकाल में सोलर पावर से बिजली बिल जीरो होगा, जबकि देश बुलेट ट्रेन को भी पहली बार देखेगा। पीएम मोदी ने राज्यसभा में कहा, मोदी 3.0 में विकसित भारत की नींव को मजबूत करने के लिए पूरी शक्ति लगा देंगे। अगले पांच सालों में डॉक्टरों की संख्या पहले की तुलना में अनेक गुना बढ़ेगी। मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ेगी। इस देश में इलाज बहुत सस्ता और सुलभ हो जाएगा। पांच वर्षों में हर गरीब के घर में जल से नल का कनेक्शन होगा।

राज्यसभा में पीएम मोदी ने आगे कहा, आने वाले पांच वर्षों में उन गरीब को पीएम आवास जो देने हैं, एक भी वंचित नहीं रहे, इसका ख्याल रखा जाएगा। पांच वर्षों में सोलर पावर से बिजली बिल जीरो होगा। देश के करोड़ों नागरिकों का बिजली बिल जीरो होगा और अगर ठीक से करेंगे तो अपने घर पर बिजली बनाकर बेच सकेंगे। यह अगले पांच वर्षों का कार्यक्रम है। अगले पांच वर्षों में पाइप से गैस का कनेक्शन का पूरे देश में नेटवर्क बनाने का प्रयास किया जाएगा। युवा शक्ति का दम पूरी दुनिया देखेगी। युवा स्टार्टअप की संख्या लाखों में होने वाली है। टियर-2 और टियर-3 सिटीज नए-नए स्टार्टअप की पहचान से उभरने वाला है।

पीएम मोदी कहा कि, मध्यम वर्ग के लाखों बच्चे आज विदेशों में पढ़ने चले जाते हैं, मैं वह स्थिति लाना चाहता हूं कि बच्चों के लाखों रुपये बच जाएं। सबसे बेहतरीन यूनिवर्सिटी देश में हो और लोगों का पैसा बचेगा। कोई भी इंटरनेशनल खेल का कॉम्पिटिशन ऐसा नहीं होगा जहां भारत का झंडा नहीं होगा। पांच वर्षों में गरीब और मिडिल क्लास को शानदार यात्राओं की सुविधाएं मिलने वाली हैं। पांच वर्षों में देश बुलेट ट्रेन भी देखेगा और वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार भी होगा। अगले पांच वर्षों में आत्मनिर्भर भारत का अभियान ऊंचाई पर होगा। इसके अलावा, मेड इन इंडिया, सेमीकंडक्टर आदि को लेकर दुनिया में हमारी गूंज होगी।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि, आज देश लाखों-करोड़ों का तेल इम्पोर्ट करता है। हम आने वाले समय में हम ज्यादा से ज्यादा आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करेंगे और ऊर्जा जरूरतों पर डिपेंडेंसी को कम करने में सफल होंगे। इसके अलावा, ग्रीन हाइड्रोजन अभियान को लेकर दुनिया के बाजार को लालायित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमारा ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का सामर्थ्य रहेगा। इथेनॉल की दुनिया में हम आगे बढ़ रहे हैं। 20फीसदी का टारगेट प्राप्त करके हमारे लोगों को ट्रांसपोर्टेशन सस्ता मिले इसकी व्यवस्था होगी। 20 फीसदी इथेनॉल की जब भी बात करता हूं तो उसका सीधा फायदा देश के किसानों को होगा। देश के किसानों पर हमें पूरा भरोसा है। इडेबिल ऑयल में हमारा देश आत्मनिर्भर हो जाएगा और जो पैसा बचेगा वह हमारे देश के किसानों के जेब में जाएगा। इसके अलावा, नैचुरल फार्मिंग की तरफ भी देश के किसानों को ले जाने में सफलतापूर्वक आगे बढ़ेंगे।

गांव चलो अभियान की सफलता हेतु बैठक हुई आयोजित

माही की गूंज, आम्बुआ।

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्र शासन तथा प्रदेश शासन की कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने तथा पात्र परिवारों को योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से भाजपा का गांव चलो अभियान जो की 11 फरवरी तक संचालित होने हेतु बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

गूंज संवाददाता को भाजपा मंडल अध्यक्ष जुवान सिंह रावत तथा भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विकास माहेश्वरी ने संयुक्त रूप से बताया कि, भाजपा की केंद्र तथा राज्य सरकार की जनहितेषी योजनाओं की जानकारी तथा लाभ घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से गांव चलो अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने हेतु आम्बुआ सेक्टर की बैठक वरिष्ठ भाजपा नेता इंदरसिंह चौहान के नेतृत्व में रखी जाकर कार्यक्रम हेतु विशेष योजना पर विचार किया गया। शंकर मंदिर प्रांगण में रखी गई बैठक में 46 सदस्यों की नियुक्ति की गई जो कि गांव-गांव जाकर प्रधानमंत्री की गारंटी के संबंध में जानकारी प्रदान करेंगे। जिस किसी पात्र व्यक्ति को लाभ नहीं मिल रहा है उसे लाभ दिलाया जाना है, जिससे आगामी लोकसभा चुनाव के पूर्व पार्टी तथा सरकार द्वारा जारी योजनाएं घर-घर पहुंच सके।

नन्हे-मुन्ने बच्चो ने किया रोजा

माही की गूंज, आम्बुआ।

दाऊदी बोहरा समाज में वर्ष में एक बार नन्हे-मुन्ने बच्चों को रोजा कराया जाता है, जिसे 'मोतिए सवालात' के नाम से जाना जाता है। इस रोजे को सम्पूर्ण विश्व में दाऊदी बोहरा समाज के छोटे से छोटे बच्चो से लगाकर बुजुर्गो तक रोजा करना फरीजत और बेहद सवाब का माना जाता है। रज्जब माह की 27 तारीख को यह रोजा पूरी आस्था और निष्ठा के साथ किया जाता है। आम्बुआ ग्राम के भी बच्चो ने भी आज रोजा रखा है जिसमे सबसे कम उम्र की इन्सिया यूसुफ बोहरा, सकीना हुसैन कोहा, नफीशा हुसैन कोहा ने 12 माह की बच्ची ने भी पूरे दिन 13 घंटे का रोज़ा किया। साथ ही ग्राम के 30 से 40 बच्चों ने भी रोजा रख कर परिजनों को सबाब में सामिल किया। बोहरा समाज के इन नन्हे मुन्ने बच्चो के रोजा रखने पर वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा, सरपंच रमेश रावत ने बच्चो एवं परिजनों को मुबारकबाद पेश करते हुए, उज्जवल भविष्य की कामना की है।

साउथ टैक्स मूवमेंट पर कर्नाटक व केरल हुए एक

नई दिल्ली।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री एम. सिद्धारमैया राज्य के 135 विधायकों और सांसदों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचे हैं। यहां ये लोग आंदोलन कर रहे हैं और केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि, उसने राज्य के फंड में कटौती की है और सौतेला व्यवहार कर रही है। उसके इस आंदोलन को केरल की सरकार से भी समर्थन मिल रहा है और यह पूरा मामला दुर्भाग्यपूर्ण तौर पर देश में दक्षिण बनाम उत्तर बनता जा रहा है। गुरुवार को केरल की कैबिनेट भी दिल्ली में प्रदर्शन करने वाली है। इन दोनों सरकारों के आंदोलन के बीच कांग्रेस के कई नेताओं ने टैक्स के पैसों के आवंटन में भेदभाव के आरोप लगाते हुए ट्वीट भी किए हैं, जिनमें हैशटैग साउथ टैक्स मूवमेंट का इस्तेमाल किया गया है।

इस तरह के ट्वीट्स ने भी साउथ बनाम नॉर्थ की राजनीति का माहौल बना दिया है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया के आर्थिक सलाहकार बसवराद रायरेड्डी का कहना है कि, हम लोग 16वें वित्त आयोग पर दबाव बनाएंगे कि वह साउथ के राज्यों के लिए फंड आवंटन में ख्याल रखे कि उनके साथ अन्याय न हो। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि साउथ के राज्य इस मामले में एकजुट होकर लोकसभा चुनाव के बाद ही मांग करेंगे। उन्होंने प्रेस से बातचीत में कहा कि, हम इस मामले में केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु की भी कांग्रेस यूनिट से बात कर रहे हैं। आंध्र के सीएम जगन मोहन रेड्डी से भी बात की जा रही है।

रायरेड्डी ने कहा कि, 16वां वित्त आयोग अपनी सिफारिशें अक्टूबर 2025 में देगा। उससे पहले हमारे पास वक्त है कि हम उस तक अपनी बात पहुंचा दें। केरल सरकार ने तो इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया है और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को चिट्ठी लिखकर इसकी सराहना भी की है। केरल सरकार ने अदालत में जाकर कहा कि केंद्र सरकार ने भेदभाव किया है और उसके उधार लेने की लिमिट को ही कम कर दिया है। इससे राज्य में विकास के काम नहीं हो पा रहे हैं।

कर्नाटक सरकार का कहना है कि, 15वें वित्त आयोग के लागू होने के बाद केंद्र से मिलने वाले टैक्सों की उसकी हिस्सेदारी अब 3.64 फीसदी ही रह गई है। पहले यह 4.71 फीसदी थी। राज्य सरकार का कहना है कि, हमने उत्तर भारत के मुकाबले ज्यादा बेहतर काम किया है और नागरिक सुविधाएं दी हैं। शायद इसी के चलते हमें केंद्र सरकार सजा देते हुए फंड में कटौती कर रही है। गौरतलब है कि, कर्नाटक सरकार ने इस मामले को दक्षिण बनाम उत्तर बनाने की भी कोशिश की है। सीएम सिद्धारमैया ने दक्षिण से आने वाले केंद्रीय मंत्रियों निर्मला सीतारमण, प्रल्हाद जोशी और ए नारायणसामी को भी पत्र लिखा है और साथ देने की अपील की है।

बीआरओ में 'कैजुअल-पेड मजदूरों' के परिजनों को भी मिलेगी पांच लाख की अनुग्रह राशि

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) में 179 दिनों से कम काम करने वाले मजदूरों के परिजन भी अनुग्रह राशि का लाभ उठा सकेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को संगठन के 'कैजुअल-पेड मजदूरों' के लिए दुर्घटना की स्थिति में मुआवजे का भुगतान प्राप्त करने के लिए 179 कार्य दिवस पूरा करने के प्रावधान की छूट को मंजूरी दे दी है। मौजूदा प्रावधानों के तहत, बीआरओ में कम से कम 179 दिन काम करने वाले मजदूरों को ही 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि के भुगतान के लिए कवर किया जाता था। रक्षा मंत्रालय के ओर से जारी एक बयान में बताया गया है कि, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ)/जनरल इंजीनियरिंग रिजर्व में काम करने वाले कैजुअल पेड मजदूरों को अनुग्रह राशि के एकमुश्त भुगतान के लिए

दुर्घटना के समय 179 कार्य दिवस पूरे करने के प्रावधान से छूट के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 179 कार्य दिवस की इस अड़चन के कारण कई मृत मजदूरों के परिवार अनुदान की राशि से वंचित हैं।

गोलीकांड की रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखी जाएगी या नहीं...?

माही की गूंज, मंदसौर।

साढ़े छह वर्ष पहले हुए मंदसौर गोलीकांड की जांच रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखी जाएगी या नहीं, इस मुद्दे पर हाई कोर्ट में प्रस्तुत जनहित याचिका में बहस पूरी हो गई। कोर्ट ने सभी पक्षकारों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि जिस गोलीकांड में पांच किसानों की जान चली गई थी, वह किसकी लापरवाही से हुआ था।

प्रदर्शन कर रहे किसानों पर पुलिस ने चलाई थी गोली

किसान आंदोलन के दौरान मंदसौर में प्रदर्शन कर रहे किसानों पर 6 जून 2017 को पुलिस ने गोली चलाई थी। इसमें पांच किसानों की मृत्यु हो गई थी। मामले की जांच के लिए शासन ने हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जेके जैन की अध्यक्षता में 'जैन आयोग' गठित किया था।

पूर्व विधायक ने लगाई थी याचिका

आयोग ने 13 जून 2018 को अपनी जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी थी। इस रिपोर्ट को विधानसभा पटल पर रखने की मांग करते हुए पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। शासन का कहना है कि, उसके लिए रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखना बंधनकारी नहीं है। इधर याचिकाकर्ता का कहना है कि शासन इसके लिए बाध्य है।

राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट चयन परीक्षा में झाड़ला के चार विद्यार्थियों का हुआ चयन

माही की गूंज, शुजालपुर।

हाल ही में राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट परीक्षा के नतीजे घोषित हुए। जिसमे शा.मा. विद्यालय झाड़ला के चार विद्यार्थी पायल पिता राधेश्याम, आर्यन पिता राकेश, अर्चना पिता हनुमत, रोहित पिता मानसिंह का चयन हुआ। संस्था प्रभारी राघवेन्द्र श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन से लगातार 9वे वर्ष भी विद्यार्थियों का चयन होना सभी के ध्यानाकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

चयनित विद्यार्थियों और उनके परिवारजनों ने चयन का श्रेय संस्था प्रभारी राघवेंद्र श्रीवास्तव और स्कूल स्टाफ हितेंद्र नेडिया, प्रतापसिंह चंदेल, मनोहर विश्वकर्मा, ओमप्रकाश पंचोली, ममता जादौन, प्रियंका शर्मा की विद्यार्थियों के साथ कि गई मेहनत, उचित मार्गदर्शन, दिशानिर्देशों को दिया। शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों और ग्राम के गणमान्य नागरिकों ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए शिक्षक गणों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत जारी किये प्रतिबंधात्मक आदेश

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. राहुल फटिंग ने आगामी समय में आने वाले त्यौहारों के मद्देनजर जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा और साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिए असामाजिक तत्वो, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों तथा निहित स्वार्थी तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सम्पूर्ण जिले में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत आगामी आदेश तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है।

कलेक्टरेट कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार जारी किये प्रतिबंधात्मक आदेश में, 9 फरवरी को मौनी अमावस्या, 14 फरवरी को बसंत पंचमी एवं वेलेण्टाईन-डे, 16 फरवरी को नर्मदा जयंती 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी जयंती, 24 फरवरी को रविदास जयंती, 24 फरवरी को माघी पूर्णीमा, 25 फरवरी को शब-ए-बारात (मुस्लिम समाज), 08 मार्च को महाशिवरात्रि, 12 मार्च को रोजा प्रारंभ (रमजान प्रारंभ मुस्लिम समाज), 18 मार्च से 24 मार्च तक भगौरिया आदिवासी पर्व, 24 मार्च को होली का दहन/व्रत पूर्णिमा, 25 मार्च को होली धुलेड़ी, 29 मार्च को गुडफाई डे, 30 मार्च को रंग पंचमी एवं 31 मार्च को ईस्टर सण्डे त्यौहार एवं आगामी समय में होने त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए तथा पुलिस अधीक्षक के प्राप्त प्रतिवेदन के अवलोकन उपरांत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा सम्पूर्ण जिले में धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये है। जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में आपत्तिजनक साम्प्रदायिक और धार्मिक उन्माद फैलाने वाले गाने बजाने व सोशल मीडिया के संसाधन, फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, इंटरनेट आदि से आपत्तिजनक फोटो, चित्र पोसट करने अथवा अन्य आपत्तिजनक संदेश पोस्ट करने, लाईक करने कमेंट करने पर पूर्णतः प्रतिबंधित होगा। बड़वानी जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में किसी भी धार्मिक जुलूस, रैली, चल समारोह, धरना प्रदर्शन के लिए आयोजन किये जाने के पूर्व एसडीएम को आवेदन प्रस्तुत कर अनुमति लिये जाना अनिवार्य होगा। अनुमति के लिए आवेदन सक्षम पुलिस अधिकारी के अभिमत के साथ कम से कम 48 घंटे पूर्व तथा बिना पुलिस अधिकारी के बिना अभिमत आवेदन पत्र कम से कम 72 घंटे पूर्व प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा। अनुमति प्राप्त करने वाले आयोजको की यह जिम्मेदारी रहेगी कि वह पूरे कार्यक्रम एवं आयोजन की वीडियोग्राफी करायेंगे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं हिंसा रहित हो यह उत्तरदायित्व आयोजक संस्था का होगा। कोई भी व्यक्ति, संस्था, पशु मालिक अपने पशुओं को खुले तौर पर सड़को पर न छोड़े और न ही सड़को पर आने दे। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 एवं अन्य प्रावधानों के तहत अभियोजन संस्थित किये जायेंगे।

यूट्यूबर पर केस दर्ज, कालोनाइजर ने लगाया ब्लैकमेल करने का आरोप

माही की गूंज, खंडवा।

फर्जी शिकायतें कर एक कोलानाजर को ब्लैकमेल करने वाले खरगोन के यूट्यूबर के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज किया है।आरोपित वारिस खान खरगोन का रहने वाला है। जो टीवी और यूट्यूब चैनल चलाता है। शिकायतकर्ता कालोनाइजर ने पुलिस को शिकायत में बताया कि वो पैसे मांगता है, ब्लैकमेल कर फर्जी शिकायतें करता है। कोतवाली पुलिस ने आरोपित खान के खिलाफ ब्लैकमेलिंग की धारा में मामला दर्ज किया।

कालोनाइजर रितेश गोयल के अनुसार आरोपित वारिस खान पत्रकार बनकर उनके पास आया और पैसे की डिमांड करने लगा। बाद में मेरे खिलाफ फर्जी शिकायतें की। शिकायतों के जरिये वह ब्लैकमेल करना चाह रहा था। लेकिन उसकी शिकायतें आधारहीन और फर्जी थी।

बीते दो माह से बार-बार रूपयों की डिमांड करता था। मैंने परेशान होकर पुलिस से शिकायत की है। इधर, कोतवाली पुलिस ने वारिख खान पुत्र गुल मोहम्मद खान निवासी काजीपुरा खरगोन को मामले में आरोपित बनाया है।

अंतरिक्ष मे वर्चस्व के लिए लग्रेंज बिदुओ पर दावे

अंतरिक्ष अन्वेषण में लग्रेंज बिंदुओं के बढ़ते महत्व को देखते हुए भविष्य में इन स्थानों पर आधिपत्य कायम करने के लिए अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों में होड़ लग सकती है। फ्रेंच-इटालियन खगोलशास्त्री और गणितज्ञ जोसेफ-लुई लग्रेंज के नाम पर रखे गए इन स्थानों का खगोलीय पिंडों के अध्ययन और अवलोकन के लिए विशेष महत्व है। अंतरग्रहीय अंतरिक्ष में लग्रेंज प्वाइंट ऐसे स्थान हैं जहां सूर्य और पृथ्वी जैसी दो पिंड प्रणालियों के गुरुत्वाकर्षण बल आकर्षण और प्रतिकर्षण के उन्नत क्षेत्र उत्पन्न करते हैं। इनका उपयोग अंतरिक्ष यान द्वारा स्थिति में बने रहने के लिए आवश्यक ईंधन की खपत को कम करने के लिए किया जा सकता है। ये ऐसे स्थान हैं जहां दो खगोलीय पिंडों (जैसे पृथ्वी और सूर्य) का गुरुत्वीय खिंचाव एक छोटी वस्तु को उनके बीच स्थिर रूप से परिक्रमा करने के लिए आवश्यक सेंट्रिपेटल फोर्स को संतुलित करता है।

इस गणितीय समस्या को 'जनरल थ्री-बॉडी प्रॉब्लम' के नाम से जाना जाता है। जोसेफ लग्रेंज ने 1772 में अपने पुरस्कृत पेपर में इस समस्या पर विस्तार से चर्चा की थी। ध्यान रहे कि सूर्य के अध्ययन के लिए भेजा गया भारत का आदित्य एल1 यान 6 जनवरी को लग्रेंज प्वाइंट 1 पर तैनात किया गया है। सूर्य और पृथ्वी-चंद्रमा सिस्टम में पांच अलग-अलग प्वाइंट हैं, जिन्हें एल1 से एल5 तक लेबल किया गया है। एल4 और एल 5 सूर्य के चारों ओर अपने कक्षीय पथ पर पृथ्वी (चंद्रमा सहित) से 60 डिग्री आगे और पीछे निश्चित स्थान पर स्थित हैं। यह स्थिरता उन्हें उपग्रहों और दूरबीनों के लिए आदर्श 'पार्किंग' स्थान बनाती है।

चंद्रमा के अदृश्य हिस्से को देख सकने के कारण एल2 विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हम चंद्रमा के इस भाग को पृथ्वी से नहीं देख सकते। अंतरिक्ष यान अपनी स्थिति को एडजस्ट करने के लिए अधिक ईंधन की आवश्यकता के बिना इन क्षेत्रों में लंबे समय तक रह सकता है। इससे हमारे ग्रह और चंद्रमा का निरंतर अवलोकन किया जा सकता है। यहां से पृथ्वी के मौसम पैटर्न का अध्ययन करने के लिए एक आदर्श बिंदु मिलता है। वायुमंडलीय हस्तक्षेप की कमी और चंद्रमा से एल1 और एल2 की निकटता इन स्थानों को आदर्श पार्किंग स्थल भी बनाती है। जब अंतरिक्ष अनुसंधान, संचार और निगरानी की बात आती है तो जो कोई भी इन स्थानों को नियंत्रित करेगा, उसे महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा।

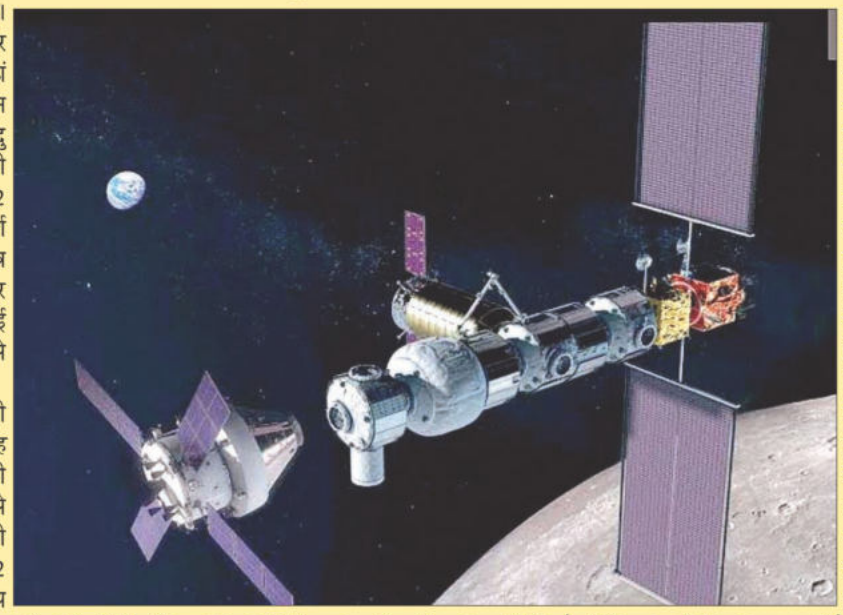

सूर्य के दृष्टिकोण से, एल 2 पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर पीछे है। यह पृथ्वी के समान गति से सूर्य की परिक्रमा करता है, लेकिन चंद्रमा से लगभग चार गुना अधिक दूर है। पृथ्वी के परिप्रेक्ष्य से चंद्रमा के पीछे, एल2 गहरे अंतरिक्ष का अबाधित दृश्य प्रदान करता है। यही वजह है कि जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप को यहां तैनात किया गया है। चीन ने पहले ही अपने चांगई 4 रोबोटिक यान से संचार के लिए एल2 पर चेचोव रिले उपग्रह भेज दिया है। ध्यान रहे कि चांग'ई 4 चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरने वाला पहला अंतरिक्षयान है। अमेरिका की नजर भी एल2 पर है, जहां उसने लूनर गेटवे जैसे मिशन की योजना बनाई है। लूनर गेटवे एक छोटा अंतरिक्ष स्टेशन होगा। यह चंद्रमा की परिक्रमा करने वाली एक बहुउद्देशीय चौकी के रूप में कार्य करेगा और चंद्रमा की सतह मिशनों के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। लूनर गेटवे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करेगा। नासा गेटवे स्थापित करने के लिए वाणिज्यिक और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम कर रहा है।

एल 3 प्वाइंट हमेशा सूर्य के पीछे छिपा हुआ रहता है। अंतरिक्ष में सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन के बढ़ते कदमों से अमेरिका काफी विचलित है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की एक समिति ने हाल ही में अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि बहुपक्षीय अंतरिक्ष प्रशासन में प्रभुत्व स्थापित करने, वैज्ञानिक खोज करने और अमेरिकी नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरिक्ष क्षेत्र में कमांड और नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए नासा और संबंधित रक्षा विभाग की फंडिंग महत्वपूर्ण है। इन सिफारिशों में शामिल क्षेत्र व्यापक हैं, लेकिन अंतरिक्ष के संबंध में एक सुझाव सबसे महत्वपूर्ण था। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी कांग्रेस को नासा और रक्षा विभाग के उन कार्यक्रमों को फंड करना चाहिए जो अंतरिक्ष में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की 'कुत्सित महत्वाकांक्षाओं' का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अमेरिका सभी लग्रेंज बिंदुओं पर स्थायी रूप से संपत्ति तैनात करने वाला पहला देश हो।

पिछले कुछ वर्षों में चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम काफी आगे बढ़ चुका है। चांग'ई 5 चंद्र नमूना वापसी मिशन और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर आगामी चांग'ई 6 मिशन उसके बड़े कदमों के दो उदाहरण हैं। चीन का चेंगगोंग अंतरिक्ष स्टेशन चालू है। चीन को निकट भविष्य में चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की भी उम्मीद है। अमेरिकी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अंतरिक्ष-आधारित संचालन की आवश्यकता को अच्छी तरह से समझती है और इस क्षेत्र में अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए जबरदस्त अंतरिक्ष क्षमताओं का विकास कर रही है। अमेरिका व चीन गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए प्रौद्योगिकियां भी विकसित कर रहे हैं, जिनमें पृथ्वी-चंद्रमा सिस्टम के लग्रेंज प्वाइंट्स का इस्तेमाल मंगल और उससे आगे के पड़ाव के लिए मिशन भेजने के लिए किया जाएगा।

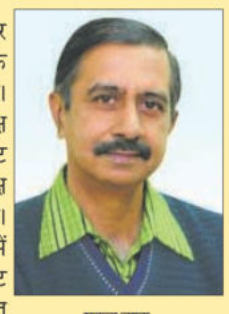

मुकुल व्यास

अंतरिक्ष अन्वेषण में अमेरिका और चीन के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा के अलावा, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसी परियोजनाओं में कई देशों के बीच सहयोग भी है, जो ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ को आगे बढ़ाता है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की भी लग्रेंज बिंदुओं में रुचि है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी जैसे संगठन इन रणनीतिक स्थानों पर अपने स्वयं के मिशन विकसित कर रहे हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाने के लिए लग्रेंज बिंदुओं का उपयोग कैसे किया जाता है।

बड़वा निकला बलात्कारी : झाड़-फूंक के नाम पर नाबालिग का करता था बलात्कार

नाबालिक हुई प्रेग्नेंट, फ़ासी लगाने के बाद मामला हुआ उजागर

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पांचाल

काकनवानी थाना की परवलिया चौकी क्षेत्र के ग्राम चिकलिया निवासी सुनील कतीजा अपनी बड़वई व झाड़-फूंक में इस तरह से महारथ हासिल कर रखी थी कि उसके पास क्षेत्र ही नहीं बल्कि बाहर के लोग भी किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की शारीरिक तकलीफ होने पर उपचार एवं समाधान हेतु आते थे। वहीं उक्त बड़वा मवेशियों की बीमारी का भी उपचार अपनी बड़वईगिरी व झाड़-फूंक के साथ करता था।

क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर निवासी जो की परवलिया की नौ वीं कक्षा की छात्रा थी जिसको उनके माता-पिता अनुसार किसी प्रकार की शारीरिक तकलीफ थी व नाबालिक का पढ़ाई में भी दिमाग नहीं लगता था। ऐसे में क्षेत्र में बडवे के नाम से पॉपुलर सुनील कतीजा के पास उसके माता-पिता उपचार हेतु चिकलिया ले गए और बड़वे ने पूरी तरह से स्वस्थ कर देने का दावा भी किया।

पुलिस में हुई रिपोर्ट अनुसार नाबालिक के माता-पिता ने बडवे से उपचार करवाने हेतु संपर्क में करवाने के बाद वह गुजरात मजदूरी करने के लिए चले गए। इसी दौरान समय-समय पर मौका मिलते ही बड़वा सुनील कतीजा उपचार के नाम पर झाड़-फूंक करने के नाम से नाबालिक बालीका के पास घर चला जाता था और नाबालिक की बिना मर्जी से बलात्कार करता रहा।

जब नाबालिक मासिक धर्म में नहीं आई तो उसे पता लगा कि वह प्रेग्नेंट है। बताया जा रहा है कि, आरोपित ने नाबालिक को धमकता भी था। वहीं दो से ढाई महीने की प्रेगनेंसी होने पर नाबालिक बहुत परेशान होने लगी। यह भी बताया जा रहा है कि नाबालिक ने पहले मजदूरी गए अपने माता-पिता को पूरी आप बीती बताई और माता-पिता गुजरात से घर आ ही रहे थे कि, उसके पहले ही 31 जनवरी को नाबालिक ने शर्म व डर के मारे फंदे पर लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

माता-पिता के आने के बाद थाने में रिपोर्ट लिखवाने के बाद उक्त शर्मिंदानुमा मामला सामने आया। जिसके बात हर कोई बडवे के संबंध में कटाक्ष ही करते दिखे।

बड़वा सुनील कतीजा के बारे में कहते है, वह तांत्रिक विद्या भी जानता था और अपनी तंत्र विद्या को पूरी करने हेतु कभी किसी वृक्ष के ऊपर चढ़कर अपनी तंत्र विद्या करता था, तो कभी महिलाओं के वेश भी पहन कर अपनी सिद्धि करता था। कहा जा रहा है कि, नाबालिक को अपनी शिधियों के बलबूते पर ही नाबालिक को वशीभूत कर अपनी बदनियत से उसके साथ बलात्कार करता रहा। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया व पुलिस ने संदेश दिया कि कभी भी ऐसे बड़वे-भोपे के चंगुल में इलाज करवाने के चक्कर में नहीं फंसे।

बड़वे सुनिल कतिजा के वह फोटो जो वृक्ष पर बेठ कर सिद्धि कर रहा है,और वही बड़वा महीला के वैष में भी है।

बहु मण्डल की गोरक्षा को लेकर अनूठी पहल

वध शाला जारही गायों को खरीद कर गायों को दिया जीवन दान

माही की गूंज, खरगोन/खेतिया।

भौतिकता की अंधी दौड़ में जीवो की हत्या व हिंसा का बोलबाला है। ऐसे में जैन समाज के समरथ बहू मंडल खेतिया द्वारा जीव दया के चलते कत्ल खाने जा रही दो गायों को खरीद कर श्रीकृष्ण गौशाला निसरपुर भिजवाया।

समरथ बहू मंडल द्वारा श्री कृष्ण गौशाला आश्रम जाकर गौ सेवा करते हुए गायों को गुड रोटी के प्रसादी खिलाई है व गायों का नामकरण करते हुए उनके नाम रेवती व सुलसा भी रखा। बहु मंडल की सदस्यों द्वारा जीव दया के रूप में प्राप्त राशि से गायों को क्रय कर वधशाला जाने से बचाते हुए जीवन दान दिया। समरथ बहू मंडल द्वारा गौ रक्षा को लेकर की गई पहल की सभी जगह प्रशंसा की जा रही है। गोसेवा करने पहुंची समरथ बहु मण्डल की सदस्य राखी संचेती, लीना बिनायकिया, जयश्री टाटिया, रिद्धी नाहर, शीतल बिनायकिया, रेखा देसरडा, डॉ अनिता संचेती, गौरी बिनायकिया, पायल टाटिया, वैशाली संचेती, संगीता टाटिया, किरण बोहरा, रेखा बिनायकिया सहित उपस्थित सदस्यों को वहाँ उपस्थित श्रीकृष्ण गौशाला के स्वामी सन्तोषचैतन्य जी ने आशीर्वाद देकर निरन्तर समाजहित में कार्य करने हेतु कहा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 फरवरी को झाबुआ आगमन को लेकर विधानसभा के 8 मंडलों की बैठक सम्पन्न

जनजाति सम्मेलन में सभी की सहभागिता सुनिश्चित करें- निर्मला भूरिया

झोपड़ी झोपड़ी खोपड़ी खोपड़ी तक मोदीजी के आने की खबर होना चाहिए - जयपालसिंह चावड़ा

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को भारत के यशस्वी, लोकप्रिय प्रधान सेवक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 22जनवरी को अयोध्या में राममंदिर की प्रतिष्ठा सम्पन्न करने के बाद प्रथम मध्यप्रदेश दौरे एवं लोकसभा चुनावों के शंखनाद करने के लिए दिनांक 11 फरवरी के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर झाबुआ विधानसभा क्षेत्र के आठ मण्डलो की बैठक का आयोजन महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, इंदौर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष जयपालसिंह चावड़ा, प्रदेश मंत्री संगीता सोनी, झाबुआ रतलाम लोकसभा चुनाव प्रभारी किशोर शाह, जिला संगठन प्रभारी हरिनारायण यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष भानु भुरिया जिला चुनाव समिति के दौलत भावसार, जिला महामंत्री सोमसिंह सोलंकी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश शर्मा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप चोहान, एवं झाबुआ विधानसभा क्षेत्र के आठों मण्डल अध्यक्षों की उपस्थित में मां भारती डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण कर किया गया।

जिला भाजपा मीडिया प्रभारी योगेन्द्र नाहर ने बताया कि विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय जन नेता भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिनांक 11 फरवरी के झाबुआ दोरे की तैयारियों को लेकर सुश्री भुरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री के आगामी दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं से हर बुथो पर जाकर कार्यकर्ताओं को मोदी के कार्यक्रम में आने का निमंत्रण देने का आग्रह करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेन्द्र मोदी जी जनजाति बहुल इलाकों से देश के लोकसभा चुनावों का शंखनाद करने के लिए जनजातीय सम्मेलन में पधार रहे हैं।

महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए इंदौर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष जयपालसिंह चावड़ा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सभी का दाईत्व है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के दोरे में पहुंचने के लिए पुरी प्लानिंग करके खासकर झाबुआ जिले के हर फलियों, हर बुथ तक जनसाधारण को झोपड़ी झोपड़ी खोपड़ी खोपड़ी तक हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 फरवरी को झाबुआ में आगमन की सुचना कर उनको आने के लिए प्रेरित करना इस जिले के कार्यकर्ताओं का परम दाईत्व है

इसके पुर्व उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जनजाति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कलसिंह भाबर ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत जनजाति समाज के प्रतिक, तीर कमान, फालिया आदि से करना चाहिए तथा हमारी शानदार गौरवशाली जनजाति परंपरा के अनुसार उनका स्वागत करना है यह सम्मेलन जनजाति सम्मेलन हे लेकिन हमें भारतीय जनता पार्टी के नाते सभी को सामुहिक सहभागिता सुनिश्चित करते हुए मोदी जी का स्वागत करना है इस जनजाति सम्मेलन में डेढ़ लाख लोगों को लाने का लक्ष्य रखा गया है जिसे देखते हुए हमें पन्द्रह विधानसभा क्षेत्र से दस दस हजार कार्यकर्ता की उपस्थिति सुनिश्चित करना है सभी बुथो पर क्षेत्र के हर फलियों (मोहल्ले) की उपस्थिति भी सुनिश्चित करें प्रभु श्री रामजी माता शबरी के घर गए थे ठीक उसी तरह प्रधानमंत्रीजी बाईस जनवरी को रामजी की प्रतिष्ठा के बाद पहली बार मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल इलाकों में पधार रहे हैं हमें उनका स्वागत भी उसी अनुसार करना है हम सभी को खासकर जिस दिन मोदी जी झाबुआ आ रहे हैं उस दिन हमें हमारी पारंपरिक वेशभूषा में ही सभा में शामिल होना है।

प्रस्तावना भाषण भाजपा जिलाध्यक्ष भानु भुरिया ने दिया एवं कार्यकर्ताओं को मोदी के आगमन की विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर भाजपा संगठन जिला प्रभारी हरिनारायण यादव, रतलाम झाबुआ लोकसभा चुनाव प्रभारी किशोर शाह, पुर्व जिलाध्यक्ष दौलत भावसार ने भी कार्यकर्ताओं को सारगर्भित मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक का संचालन अजय पोरवाल ने एवं आभार जिला पंचायत सदस्य बहादुर हटीला ने व्यक्त किया।

डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का वितरण

माही की गूंज, सारंगी। डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरदानी वितरीत की जा रही है। बीएमओ सुरेश कटारा के निर्देशन में मलेरिया विभाग के मार्गदर्शन में सारंगी सेक्टर के ग्राम छावनी में मच्छरदानी वितरित की गई।

बीपीएल, एपीएल, कूपन धारी एवं जिसके पास राशन कार्ड नहीं है उन्होंने अपनी समग्र आईडी लेकर एएनएम आशा कार्यकर्ता से मच्छरदानी प्राप्त की। मच्छरदानी वितरण करते हुए एएनएम द्वारा ग्राम के लोगों को स्वच्छता के बारे में भी जानकारी दी गई। इस मौके पर एएनएम निशा बंसल, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं गांव के नागरिक उपस्थित थे।

घर छोड़ा तो अणगार बन जाओगे – साध्वी श्री मधुबाला जी

माही की गूंज, पेटलावद।

रतलाम निवासी सुभाष व किरण मुणत की दबंग सुपुत्री श्रुति 21 अप्रैल महावीर जयंती के दिन। प्रवर्तक श्री जिनेंद्र मुनि जी के मुखारविंद से जैन भागवती दीक्षा अंगीकार करने जा रही है। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के सानिध्य में व वात्सल्य मूर्ति साध्वी श्री मधु बाला जी की निश्रा में समग्र जैन समाज की उपस्थिति में उनके सम्मान में जयकारा यात्रा नगर में निकाली गई। स्थानक भवन में उनका सार्वजनिक रूप से अभिनंदन किया गया। साथ ही वीर माता-पिता व बहन शालु दख का भी बहुमान किया गया। इस अवसर पर साध्वी श्री मधुबाला जी ने विशाल धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, संसार नहीं संयम ही अच्छा है पर अधिकतर लोग अनादि काल से संसार को ही अच्छा मान रहा है पर अनादिकाल से दीक्षा लेने वाले भी दीक्षा लेकर अपनी आत्मा का कल्याण भी कर रहे हैं और अब घर छोड़ा तो अणगार बन जाओगे। साध्वी श्री ने कहा कि, अंदर की आत्मा को जगा लिया तो मुक्ति पा जाओगे। संसार की वासनाएं घी में आग डालने का काम कर रही है। दीक्षा उसमें पानी डालने का काम करती है। श्रुति बहन चार वर्ष की उम्र से ही पुरुषार्थ कर रही थी अब दीक्षा ग्रहण कर अपने पुरुषार्थ को सार्थक कर रही है। मुमुक्षु श्रुति ने अपने सम्मान के प्रति उत्तर में मार्मिक स्तवन प्रस्तुत कर अपना उद्बोधन दिया और कहा वह श्रुति से सती, सती से सिद्ध बनने के लिए दीक्षा कि और अग्रसर हो रही है। मेरे इस प्रयास के सभी साक्षी बने और अनुमोदन हेतु रतलाम आवश्यक पधारे।

अभिनंदन समारोह में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष मनोज गादीया, मंदिर मार्गिय समाज से सुरेंद्र मेहता, मनोज वोरा ,अरिहंत युवा वाहिनी की ओर से अध्यक्ष चिंतन मंडलोई ने अपने पदाधिकारी के साथ दीक्षार्थी बहन का सम्मान किया।

श्री संघ की ओर से दीक्षार्थी बहन का सम्मान शील व्रत से करने की बोली लगाई गई। संजय कुमार व श्रीमती रेखा मोदी दर्पत्ति पाटन वालों ने बोली लेकर श्री संघ की ओर से दीक्षार्थी बहन का अभिनंदन किया । जयकारा यात्रा बिना किसी आडंबर के समग्र जैन समाज की सहभागिता के साथ नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए स्थानक भवन पहुंची। जहां पर दीक्षार्थी बहन के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। राजेंद्र कटकानी ने श्री संघ की और से शाब्दिक अभिनंदन किया। श्री संघ पदाधिकारी ने माता-पिता व बहन का सम्मान किया। इस अवसर पर धर्मदास युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज जैन ,श्री संघ उपाध्यक्ष मणिलाल चाणोदीया , महेंद्र कटकानी, कोषाध्यक्ष विमल मोदी ,श्री संघ प्रवक्ता जितेंद्र मेहता पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र कटकानी ,नरेंद्र मोदी, महावीर समिति अध्यक्ष संजय चाणोदीया ,सोहनलाल चाणोदीया महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती आजाद भंडारी, बहू मंडल अध्यक्ष अनीता मोदी ,नवयुवक मंडल अध्यक्ष जयंत भंडारी ,अणु मित्र मंडल अध्यक्ष सिद्धू चाणोदिया, बालिका मंडल अध्यक्ष सखी झाडमता ,कांतिलाल झाड़मता, मणिलाल मेहता ,अनूप मेहता सूरेश सोलंकी, संतोष गुजराती पारस भंडारी, अशोक मेहता आदि के साथ समग्र जैन समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे। श्री संघ की ओर से प्रभाव न व नौकारसी आयोजन किया गया,संचालन राजेंद्र कटकानी ने किया।

संपादकीय

देश में भ्रष्टाचार को लेकर सुधार की जरूरत बताती वैश्विक रैंकिंग

यह परेशान करने वाली बात है कि, भ्रष्टाचार के मामले में भारत की वैश्विक रैंकिंग फिर फिसली है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की हाल में जारी रिपोर्ट में भ्रष्टाचार सूचकांक में भारत का स्थान दुनिया के 180 देशों में 93वां आंका गया है। वहीं संस्था द्वारा निर्धारित हमारे समग्र स्कोर में कोई बदलाव नहीं है। बीते वर्ष भारत का स्थान 85वां आंका गया था। लिहाजा विश्व रैंकिंग में यह स्थिति आठ स्थान खिसकी है। हालांकि, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल का भ्रष्टाचार मापने का पैमाना कितना पारदर्शी है और वह पश्चिमी ताकतों के दबाव से कितना मुक्त है, कहना कठिन है, लेकिन फिर भी रिपोर्ट हमें आत्ममंथन का मौका तो देती है। दरअसल, संस्था इस सूचकांक में विशेषज्ञों और व्यापारिक लोगों की धारणा के आधार पर सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार के स्तरों को केंद्र में रखकर दुनिया के 180 देशों और क्षेत्रों की रैंकिंग निर्धारित करती है। साथ ही इस रैंकिंग के लिये शून्य से सौ तक के पैमाने का प्रयोग किया जाता है। यानी जहां ज़ीरो है वह सर्वाधिक भ्रष्ट है और सौ सर्वाधिक ईमानदारी का सूचक है। इस पैमाने पर बीते वर्ष में भारत का समग्र स्कोर 39 रहा। उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2022 में हमारा समग्र स्कोर चालीस था। वहीं भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे पाकिस्तान का स्थान दक्षिण एशिया में 133 व श्रीलंका का स्थान 115 निर्धारित किया गया। जिसमें राजनीतिक अस्थिरता व कर्ज के दबाव को भी कारक बताया गया है। लेकिन वहीं दूसरी ओर चीन ने अपने 35 लाख से अधिक सार्वजनिक अधिकारियों को दंडित करके अपनी आक्रामक भ्रष्टाचार विरोधी नीति से दुनिया का ध्यान खींचा है। फलतः उसका स्थान इस सूची में 76वां रहा है। दरअसल, एशिया प्रशांत क्षेत्र में वर्ष 2024 चुनावी वर्ष है। जिसके चलते पूरी दुनिया की निगाह भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, दक्षिण कोरिया व ताइवान पर लगी रही हैं। उल्लेखनीय है कि, एशिया प्रशांत क्षेत्र के 71 फीसदी देशों में भ्रष्टाचार मापने का मानक सीपीआई वैश्विक औसत 43 से नीचे रहा है।

निःसंदेह, किसी भी देश के लिये वैश्विक भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में ऊंचे स्तर पर रहना चिंता की बात होनी चाहिए। यह अवसर आत्ममंथन का भी होता है कि क्यों उसके लिए वैश्विक स्तर पर ऐसी धारणा बनी है। यह भी कि हम सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार को कैसे कम कर सकते हैं। वैसे तो ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट में उल्लेखित भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक विश्व बैंक, विश्व आर्थिक मंच, निजी जोखिम और परामर्श संगठनों, थिंक टैंक और अन्य सहित तेरह बाहरी स्रोतों की जानकारी पर आधारित होता है। लेकिन राजनीतिक दुराग्रहों से मुक्त होकर देश के स्तर पर ऐसी एजेंसी होनी चाहिए जो सार्वजनिक क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार का न केवल ईमानदार मूल्यांकन करे बल्कि उस पर नियंत्रण के कारगर उपाय भी सुझाए। यह स्थिति हम सब की चिंता का विषय होनी चाहिए कि क्यों हम सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में विफल हो रहे हैं। कई बार राजनेताओं और बहुधंधी लोगों के यहां नोटों के जो पहाड़ ईडी और आयकर विभाग की कार्रवाई में बरामद होते हैं, वे एक आम आदमी को विचलित करते हैं। आम आदमी सोच में पड़ जाता है कि एक ईमानदार व्यक्ति हाड़-तोड़ मेहनत के बाद दो जून की रोटी और एक छत का जुगाड़ मुश्किल से कर पाता है, वहीं भ्रष्ट लोग नोटों के अंबार लगा देते हैं। वे कौन से व्यवस्था के छिद्र हैं जो भ्रष्ट लोगों को अकूत संपदा जुटाने का मौका देते हैं। कैसे राजनीति में आने के बाद लोग रातों-रात करोड़पति हो जाते हैं। कैसे लोग मोटा पैसा चुनाव में खर्च करने के लिये जुटाते हैं और फिर चुनाव जीतकर धन का तीन-तेरह करते हैं। निश्चित रूप से भ्रष्टाचार की कीमत समाज में ईमानदार लोगों को ही चुकानी पड़ती है। ये उस व्यक्ति के साथ अन्याय ही है। हमें यह विचार करना होगा कि आने वाली पीढ़ियों के लिये हम कैसा भारत छोड़कर जाएंगे, जहां उन्हें कदम-कदम पर भ्रष्टाचार से जूझना पड़ेगा। जो कालांतर समाज में हताशा, निराशा और आक्रोश को ही जन्म देता है। नीति-नियंताओं को गंभीरता से इस दिशा में सोचना चाहिए।

हरदा का हादसा और हमारी सरकार...

राकेश अचल

देश के दिल मध्यप्रदेश के हरदा में हुए बारूदी विस्फोट ने पूरे सूबे को दहलाकर रख दिया है, यहां तक कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक इस हादसे से विचलित हो गए और उन्होंने भी मृतकों के आश्रितों और घायलों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा कर दी। मध्यप्रदेश सरकार ने तो अपने हिस्से की राहत पहले ही देने का ऐलान कर दिया। हादसों के बाद राहत की बरसात अलग बात है किन्तु हादसों के लिए जिम्मेदार लोगों और सिस्टम को दण्डित करने से बचना दूसरी बात है। हरदा हादसे के मामले में कमोवेश यही सब हो रहा है।

हरदा में विस्फोट कोई पहला हादसा नहीं है। चार दशक पहले ग्वालियर शहर में भी इसी तरह के बारूद कारखाने में ऐसा ही विस्फोट हुआ था जिसमें एक दर्जन से अधिक लोग मारे गए थे। मै यहां आपको बारूद कारखानों में होने वाले हादसों की गिनती करने नहीं जा रहा, क्योंकि ये नामुमकिन है। नामुमकिन तो ये भी है कि, कम्प्यूटर के युग में हमारे किसी भी जिले के प्रशासन के पास उनके यहां काम करने वाले बारूद कारखानों की फेहरिस्त नहीं है। यदि है भी तो इन कारखानों की जांच पड़ताल के लिए तैनात उस अमले के पास है जो इन कारखानों को कभी सरकारी रिकार्ड में दाखिल नहीं करते। ये अमला इन वैध और उससे ज्यादा अवैध बारूद कारखानों के संचालकों से अपनी आँखें बंद करने की नियमित कीमत वसूल करते हैं और नतीजा होता है हरदा जैसा हृदयविदारक हादसा।

हरदा जिले के मगरधा रोड पर स्थित अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग की घटना मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुई फैक्ट्री में हुए धमाके से पूरा शहर दहल गया इलाके के घर भी इस विस्फोट की चपेट में आ गए. रिपोर्ट के मुताबिक 60 घरों में आग फैली। इस हादसे में अभी तक 11 लोग मारे गए और दो सौ के आसपास घायल हो गए। प्राथमिक जाँच में ही ये तथ्य सामने आ गया की कारखान अवैध था। इस अवैध कारखाने में 15 टन से ज्यादा बारूद जमा थी लेकिन प्रशासन को इसकी कानों-कान खबर नहीं थी। यदि थी भी तो प्रशासन अपने कानों में रिश्वत का तेल डालकर बैठा था।

बारूद कारखानों में सुरक्षा के न्यूनतम

इंतजाम होते है। पेट की आग बुझाने के लिए गरीब मजदूरों को इन कारखानों में लोगों की जिंदगी में रौशनी भरने के लिए आतिशबाजी का सामान बनाना पड़ता है। यहां न कोई श्रम कानों लागू होता है और न कोई दूसरा क़ानून। इन वैध-अवैध बारूद कारखानों में मालिक का बारूद क़ानून चलता है जो हमेशा जानलेवा होता है। हरदा का हादसा राज्य सरकार के लिए शर्मनाक है लेकिन ज्यादा पोटरों पर होना चाहिए थी।

हरदा हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन और शासन की मुस्तैदी काबिले तारीफ हो सकती है। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य के लिए सेना की मदद ली इससे हादसे की व्यापकता का अंदाजा लगाया जा सकता है। दुर्भाग्य ये है कि अब पूरी सरकार इस हादसे के बाद लकीर पीटती दिखाई दे रही है। प्रदेश के गृह सचिव को मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। गृह सचिव हादसे की जांच भी कर लेंगे लेकिन ये कौन सुनिश्चित करेगा की इस हादसे के लिए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी ही। कारखाने के संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है लेकिन उसे फांसी पर तो नहीं चढ़ाया जा सकता। लम्बी कानूनी प्रक्रिया होती है, लेकिन शासन कम से कम अपने प्रशासन के जिम्मेदार लोगों को तत्काल दण्डित कर सकता है। तबादला ऐसे लोगों के लिए कोई सजा नहीं है। इन सबके खिलाफ बाकायदा आपराधिक मुकदमे कायम होना चाहिए।

मध्यप्रदेश में आतिशबाजी बनाने के कुल कितने कारखाने हैं ये जानकारी न प्रशासन के पास है और न शासन के पास। क्योंकि अधिकांश आतिशबाजी निर्माता अवैध रूप से अपने कारखाने चलते हैं। आतिशबाजी कारखाने जितने अवैध तरीके से बेहतर चलते हैं उतने शायद वैध तरीके से नहीं चलाये जा सकत। क्योंकि वैध लायसेन्स लेकर आतिशबाजी बनाना आसान नहीं है। वैध लायसेन्स के बाद कारखाना चलने के लिए जितने सुरक्षात्मक प्रबंध करना होंगे, कर्मचारियों को जितनी मजदूरी देना होगी वो बहुत ज्यादा होती है। इसीलिए ज्यादातर कारखाने अवैध रूप से चलते हैं। हरदा का हादसा इस बात की गवाही देता है की हम, हमारी सरकार और हमारा समाज मनुष्य के जीवन से किस तरह और किस हद तक खिलवाड़ कर सकता है।

मध्यप्रदेश हादसों कि अनेक अनुभवों से गुजरा है। सबसे बड़े भोपाल गैसकांड कि बाद हरदा जैसे हादसे मध्यप्रदेश कि लिए शायद बहुत छोटे हैं, लेकिन ये हादसे हमारी सरकार और प्रशासन की दक्षता पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह हैं। मुमकिन है की प्रदेश विधानसभा में इस हादसे को लेकर क्षणिक हंगामा है। विपक्ष इस मामले को लेकर सरकार को घेरे लेकिन इस सबसे हादसे में मरने वाले तो वापस नहीं लौट सकते। जो जीवन भर कि लिए अपांग हो गए उनके जख्मों पर तो कोई मरहम नहीं लग सकती। इसलिए ये जरूरी है की प्रदेश में कहीं भी मौत कि इन कारखानों को चलने की इजाजत ही न दी जाये और यदि ऐसा किया जाना बहुत जरूरी है तो पोरे सुरक्षात्मक इंतजाम किये जाएँ तथा श्रम कानूनों का सख्ती से पालन कराया जाये।

लोकतंत्र के खेल में कांजी हाउस विहार

हीरा, मोती, बादल, चेतक, सभी का हैदराबाद के फाइव स्टार कांजी हाउस में स्वागत है। इस कांजी हाउस में बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसके प्रभाव से मस्तिष्क में दल-विरोधी विचार नहीं आते। यह सुविधा देश के सभी भाग के जीवों के लिए उपलब्ध है। बिहार हो, झारखंड हो या फिर और कोई क्षेत्र, सभी का यहां दिल खोलकर स्वागत किया जाता है। सभी दल यह सुविधा अपने सदस्यों के लिए समय-समय पर उपलब्ध करवाते रहते हैं। न सिर्फ यहां विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं बल्कि आने-जाने के लिए लक्जरी डीलक्स बस और चार्टर्ड प्लेन की भी सुविधा है।

कोई जरूरी नहीं कि यह सुविधा सिर्फ हैदराबाद कांजीहाउस में ही हो। स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए देश के अन्य भागों में भी यह सुविधा उपलब्ध है। उदाहरण के लिए हम गुवाहाटी या गोवा को ले सकते हैं। रणनीति विशेषज्ञ बताते हैं कि यह सुविधा मुख्य रणस्थल से दूर होनी चाहिए। उदाहरण के लिए यदि रणस्थल महाराष्ट्र है तो यह सुविधा असम में होना उचित होता है। बिहार, झारखंड जैसे स्थानों के लिए हैदराबाद बेहतर स्थान हो सकता है। यह कांजीहाउस चाहे जहां भी हों, इन सभी जगहों पर मन बहलाने के लिए इतने साधन उपलब्ध करवाए गए हैं कि कोई भी व्यक्ति मन तड़पत हरि दर्शन को आज के चक्कर में न रहे और अपने भाई-बंधु के साथ सौहार्दपूर्वक समय व्यतीत करे।

अपने क्षेत्र में रहने से जीवों के विचार भटकने का खतरा रहता है। मन का क्या है भटकता रहता है। और मन के खुद भटकने से ज्यादा दूसरों द्वारा भटकाने का खतरा बना रहता है। खाली दिमाग वैसे भी शैतान का घर होता है। कब आकर कौन शैतान खाली दिमाग में घर बसा ले- कहा नहीं जा सकता। अतः कांजी हाउस में यहां आने वाले सभी सम्माननीय अतिथियों की सभी इंद्रियों के लिए ऐसी सुविधा दी जाती है कि वे दिमाग को खाली न रहने दें।

प्रायः कांजी हाउस में तो किसी बहादुरी भरे कारनामे के लिए ही स्थान उपलब्ध होता है। तो इसका उत्तर यह है कि कभी-कभी परिस्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि माननीयों द्वारा बहादुरी भरे कारनामें करने का अंदेशा रहता है। इन संभावित बहादुरी भरे कारनामे के कारण सिंहासन के दोलायमान होने की आशंका बनी रहती है। तो इस प्रकार का कोई कारनामा किसी भी माननीय द्वारा न हो, इसी कारण से कांजी हाउस में ऐसी व्यवस्था की जाती है कि इंद्र का दरबार भी शरमा जाए।

साथ ही टीम स्पिरिट का भी ख्याल रखा जाता है। जिस प्रकार किसी टीम के सदस्यों के एक साथ आने-जाने की व्यवस्था होती है उसी प्रकार इन माननीयों को भी बिलकुल 'हम साथ-साथ हैं' की भावना के साथ, साथ-साथ रखा आता है। साथ-साथ टीवी, न्यूज़ चैनल को हाथ हिलाते, कभी 'वी' का इशारा करते या बड़े अच्छे लगते हैं- धरती, रैना, नदिया आदि की तरह।

लेखक :- विनय कुमार पाठक

सेना की निरंकुशता का दंश झेलता पाक लोकतंत्र

अखबार की एक हालिया रिपोर्ट में वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार मलीहा लोधी, जो विगत में एक बड़े राजनयिक पद पर भी रह चुकी हैं, लिखती हैं कि पाकिस्तान के वर्तमान सैन्य प्रतिष्ठान का मुख्य ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि इमरान खान प्रधानमंत्री न बनने पाएं। इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा को भ्रष्टाचार के एक मामले में 14 साल की सजा मिली है। सरकारी गुप्त भेद जाहिर करने के एक अन्य मामले में इमरान खान को पहले ही 10 साल की कैद सुनाई जा चुकी है। कोई हैरानी नहीं कि पाकिस्तान का राजकाज एक अंतरिम सरकार के हाथ में होने के बावजूद पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा अपने चेले ले. जनरल असीम मुनीर को अपनी जगह बैठवा पाए, जब नवम्बर, 2022 को उन्हें नया सेनाध्यक्ष बनाया गया। पूर्वानुमानों के अनुसार सेनाध्यक्ष बनते सार जनरल मुनीर की पहली विदेश यात्राओं में एक था वाशिंगटन डीसी का हालिया दौरा। यह जनरल बाजवा ही थे जिन्होंने अमेरिका के कहने पर पाकिस्तान से यूक्रेन को हथियार और गोला-बारूद मुहैया करवाया था। यूक्रेन जैसे मामले से इतर भी अमेरिका का पाकिस्तान पर काफी प्रभाव अभी भी कायम है। हालांकि इसका पाकिस्तान और उसके सदाबहार दोस्त चीन के बीच रिश्तों पर कोई असर नहीं है।

पाकिस्तानी सेना का देश के घरेलू मामलों और विदेश नीति में भारी दखल बना हुआ है। इमरान खान संसदीय चुनाव जीतकर पुनः सत्ता हासिल न करने पाएं, इसके पीछे सेनाध्यक्ष की भूमिका खासी है। इमरान खान ने अमेरिका के खिलाफ भी काफी ज़हर उगला था। आज पाकिस्तान के लिए फिक्र करने लायक केवल भारत नहीं है क्योंकि उत्तर में अफगानिस्तान और पूर्वी पड़ोसी ईरान के साथ उसके रिश्ते तल्ख हैं। इस बीच, चीन और ईरान अफगानिस्तान पर डोरे डाल रहे हैं तो पाकिस्तान अपने यहां शरण लिए बैठे लगभग 37 से 44 लाख अफगान-पश्तूनों को खदेड़ना चाहता है। यह शरणार्थी वही अफगान लोग हैं, जिनका इस्तेमाल कर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में पहले सोवियत संघ और फिर अमेरिका के विरुद्ध छद्मयुद्ध चलाए रखा था। लेकिन इसका शुद्ध परिणाम है अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव। भारत उन 10 क्षेत्रीय मुल्कों में एक है जिन्होंने हाल ही में तालिबान द्वारा काबुल में क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए सम्मेलन में भाग लिया। इसमें भारत, कजाखस्तान, तुर्की, रूस, चीन, ईरान, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, इंडोनेशिया और किर्गिज़स्तान ने भाग लिया। जाहिर है भारत आगे भी गेहूं आपूर्ति, बुनियादी ढांचा निर्माण, शिक्षा क्षेत्र के विकास हेतु अफगानिस्तान की मदद जारी रखेगा। इसलिए अफगान जनता भारत की उपस्थिति का स्वागत करती है। पाकिस्तान इस प्रक्रिया में अड़ंगा लगाने लायक नहीं रहा क्योंकि अब सहायता सामग्री ईरान के चाबहार बंदरगाह के जरिये पहुंच रही है। इसी बीच, भारत की भांति यूएई ने तालिबान सरकार के साथ निकट सहयोग स्थापित कर लिया है।

तयशुदा कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव होंगे, इमरान खान और नवनियुक्त सेनाध्यक्ष के बीच दुश्मनी के कारण यह गैर-मामूली होने वाले हैं। इमरान खान और जनरल मुनीर के बीच कभी नहीं पटी और उन्हें निजी खुन्नस इसलिए भी है क्योंकि प्रधानमंत्री रहते हुए उनकी नियुक्ति बतौर आईएसआई महानिदेशक करने में इमरान खान ने अड़ंगा लगाया था। नतीजतन सरकारी नियमों का गंभीर उल्लंघन करने के दोष में इमरान खान को एक के बाद एक मुकदमें झेलने पड़ रहे हैं। इनमें एक है, इमरान खान द्वारा वाशिंगटन स्थित पाकिस्तान के राजदूत असर माजिद खान द्वारा भेजे अति गुप्त संदेश के ब्योरे को जगजाहिर करना जो उनके और अमेरिका के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अफसर के बीच मुलाकात के दौरान का संवाद है। यह अमेरिका की नीतियों का ठोस संकेत देता और पाकिस्तान को लेकर अमेरिका की पसंद-नापसंद पर बातचीत पर आधारित गुप्त संदेश था। किंतु इमरान खान ने गलत सलाह मानकर यह सूचना सार्वजनिक कर दी। इमरान खान और पत्नी बुशरा पर तेजी से मुकदमा चला और जेल की सजा मिली।

इस घटनाक्रम ने पाकिस्तान में इमरान खान पर विशेष अदालत में एक अन्य मामला चलाने की राह खोल दी, जिसमें हाल ही में उन्हें 10 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। हालांकि, इमरान ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का उल्लंघन करने वाले दोषों को नकारा है। उनका कहना है कि पाकिस्तानी जनता के प्रति उत्तरदायित्व के हितार्थ उन्होंने वाशिंटगन से मिले संदेश को सार्वजनिक किया क्योंकि इसमें उन्हें अपदस्थ करने वाली कथित साजिश का जिक्र था। रोचक कि जहां यह सब हो रहा है वहीं सोमालियाई डाकुओं द्वारा अपहृत एक ईरानी जलयान, जिसका पूरा अमला पाकिस्तानी है, भारतीय नौसेना ने छुड़वा लिया। भारतीय नौसेना द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार ईरानी ध्वज लगे और पाकिस्तानी स्टाफ वाले एक जलयान का अपहरण सोमालियाई समुद्री डाकुओं द्वारा किए जाने की सूचना मिलने पर भारतीय विध्वंसक जलपोत ने प्रति-कार्रवाई करते हुए उसे सोमालिया के तट के पास बचा लिया। अलबत्ता पाकिस्तान ने इस घटना पर चुप्पी साध रखी है।

इमरान खान की जबरन विदाई के बाद, जब से जनरल मुनीर ने कार्य संभाला है, बड़ी शिद्दत से प्रयास करके सुनिश्चित किया जा रहा है कि जो कोई भी इमरान खान का नज़दीकी या उनकी सरकार का सक्रिय मददगार रहा, उसको पकड़कर मुकदमा चलाया जाए। इनमें पूर्व विदेशमंत्री शाह महमूद कुरैशी भी एक हैं, विशेष अदालत ने उन्हें 10 साल की कैद सुनाई है। स्पष्टतः इमरान खान को जनरल मुनीर की निजी अदावत का कोप झेलना पड़ रहा है। हालांकि इमरान खान को हटाये जाने के बाद मुनीर पहले आईएसआई मुखिया बने, फिर सेनाध्यक्ष।

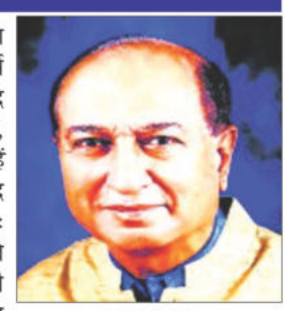

जी.पार्थसारथी

पाकिस्तान में आमतौर से माना जा रहा है कि यदि 8 फरवरी के संसदीय चुनाव में इमरान खान को चुनाव में भाग लेने दिया होता तो जीत उनकी पार्टी की हो सकती थी। हालांकि अब माना जा रहा है कि पाकिस्तानी संसद में सबसे ज्यादा सीटें नवाज़ शरीफ के दल की रहेंगी। वैसे तो नवाज़ शरीफ कमोबेश भारत के साथ संबंध अच्छे रखने का वादा करते आए हैं, लेकिन इस मामले में भारत को उनका और उनके सेनाध्यक्ष का रुख अच्छी तरह समझने के बाद सावधानीपूर्वक कदम बढ़ाने होंगे। बेशक पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा भारत से संबंध अच्छे रखने के पैरोकार रहे, वहीं उनके शागिर्द जनरल मुनीर इस मामले में अपने गुरु के विचारों से जाहिराना तौर पर इत्तेफाक नहीं रखते। पंजाब के कुछ अलगाववादी तत्वों को लेकर नवाज़ शरीफ का रिकार्ड कतिपय कारणों से अच्छी भावना वाला नहीं रहा। इसको जहन में रखना जरूरी है। पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के अंदर दोनों मुल्कों में व्यक्ति से व्यक्ति का संबंध, व्यापार और आर्थिक सहयोग और संपर्क बनने को लेकर डर कायम है। नवाज़ शरीफ और जनरल मुनीर ऐसे प्रस्तावों पर क्या रुख रखेंगे, यह देखना बाकी है।

डोडाचूरा प्रकरण में लाखों की रिश्वत के बाद भी नारकोटिक्स विभाग से परेशान युवक ने की आत्महत्या

करणी सेना अध्यक्ष व किसान नेता ने शव को रख 4 घंटे तक किया थाने का घेराव

माही की गूंज, मंदसौर।
साहिल अगवान

युवक द्वारा आत्महत्या करने के मामले में केन्द्रीय नारकोटिक्स विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष जीवनसिंह शेरपुर व किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने सोमवार को नाहरगढ़ थाने का घेराव कर दिया। थाने के सामने शव को रखकर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों व प्रदर्शनकारियों के बीच काफी बहस भी हुई। करीब 4 घंटे तक चले धरने के बाद पुलिस अधिकारियों ने युवक को परेशान करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब जाकर धरना हटा।

शेरपुर व जोकचन्द ने शुरु किया विरोध

नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव बाजखेड़ी के युवक कृष्णपालसिंह पिता रुघनाथसिंह राठौर ने सोमवार प्रातः 5 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की आत्महत्या से परिजन आक्रोशित हो गए, परिजनों का आरोप है कि केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के अधिकारी कृष्णपालसिंह को रिश्वत के लिए परेशान कर रहे थे, इसी कारण उसने पेड़ पर फन्दा बनाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के बाद परिजनों, ग्रामीणों, समाजजनों व किसानों ने विरोध करते हुए शव को पीएम कराने के बजाए नाहरगढ़ पुलिस थाने के सामने रख प्रदर्शन शुरु कर दिया। इसमें करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष जीवनसिंह शेरपुर व किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द भी शामिल रहे। शेरपुर व जोकचन्द दोपहर 12 बजे थाने के सामने शव को रखकर धरने पर बैठ गए। इस दौरान नारेबाजी की, पुलिस अधिकारियों से बहस भी चलती रही। सूचना पर एएसपी गौतमसिंह सोलंकी सहित जिले के अन्य थानों के प्रभारी व पुलिस बल भी पहुंचा। अधिकारियों ने धरना हटाने की कहा, लेकिन विरोध कर रहे शेरपुर, जोकचन्द व परिजनों की मांग थी कि युवक को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले नारकोटिक्स अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। बाद में पुलिस अधिकारियों ने युवक को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के मामले में दोषी नारकोटिक्स अधिकारियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया तब जाकर शाम 4 बजे धरना हटाया व शव को पीएम के लिए भिजवाया।

ऑडियो, वीडियो भी सौंपी

कृष्णालसिंह के परिजनों व मौजूद प्रदर्शनकारियों ने नारकोटिक्स विभाग द्वारा एनडीपीएस एक्ट का केस नही बनाने के एवज में मांगी गई रिश्वत की ऑडियो व वीडियो भी पुलिस अधिकारियों को बताई व परेशान करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज करने की मांग की। अधिकारियों ने दोषी नारकोटिक्स अधिकारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने का आश्वासन दिया, जब जाकर धरना समाप्त हुआ।

33 लाख रुपए देने के बाद भी बनाया जा रहा था दबाव

पुलिस थाने व अधिकारियों की की शिकायत में मृतक की पत्नी इंदुकुँवर, भाई जयपालसिंह, संजयसिंह, प्रेमसिंह ने बताया कि, सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो मंदसौर ने कुछ माह पूर्व गाँव बाजखेड़ी में डोडाचूरा की सूचना पर दबिश दी थी। जिसमें नारकोटिक्स विभाग के संदीप फ़ोजदार, वीएसकुमार, आरएस नेगी, अमन फोगाट, विकास आदि शामिल थे। टीम ने केंसर पीड़ित नरेंद्रसिंह राठोर उर्फ रोडसिंह के घर पर दबिश दी। घर से महिला को जबरदस्ती थाने ले गए व दबाव डाला कि तुम्हारे पति व देवर को यहां बुलाओ। तभी तुम्हें छोड़ेंगे नही तो तुम्हारा केस बना देंगे। महिला को छोड़ने व कृष्णपालसिंह पर केस नही बनाने के एवज में नारकोटिक्स अधिकारियों ने 50 लाख रुपए की मांग की। जैसे-तैसे 3 बीघा जमीन बेचकर कृष्णपालसिंह ने 23 लाख रुपए एकत्रित किए व नारकोटिक्स में पदस्थ संदीप फौजदार व विकास राणा को दिए।

घर की रैकी करवा रहे थे नारकोटिक्स अधिकारी

बाकी राशि 10 से 15 दिनों में देने की बात हुई तो विकास राणा ने धमकी दी कि अभी चालान डायरी बाकी है, बकाया राशि नही देने पर महिला पर भी केस बना देंगे व कृष्णपालसिंह पर भी केस बना देंगे। रुपए नही देने पर एक माह बाद संदीप फोजदार ने फिर घर पर दबिश दी, गालियां दी व महिला व बच्चों को डराया और 10 लाख रुपए और ले गए तथा घर पर रखी कार का फोटो ले गए और बोल गए कि इस गाड़ी का भी केस करेंगे। शिकायत में आगे बताया कि नारकोटिक्स के संदीप फौजदार व विकास द्वारा द्वारा आवरी निवासी गोविन्द पिता राजू गुर्जर व लाला पिता दशरथ कुमावत से मेरे घर की रैकी करवाई जा रही थी। और धमकी दी जा रही थी कि बाकी राशि नही पहुंचाई तो तुम्हें व तुम्हारे परिवार को सड़क पर ला देंगे। रुपए देने के बाद भी संदीप फोजदार व विकास राणा की धमकियों से परेशान होकर कृष्णपालसिंह ने आत्महत्या की है।

मर्ग कायम किया है, जांच के बाद होगी कार्रवाई

एएसपी गौतम सोलंकी का कहना है कि, पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। परिजनों के बयान लिए जाएंगे, उसके बाद जो भी दोषी होगा कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम को हटाया

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि, सुशासन हमारा मूल मंत्र, अशोभनीय व्यवहार नहीं किया जाएगा बर्दाश्त

माही की गूंज, रतलाम।

किसानों द्वारा मुआवजा मांगने पर उन्हे गलियां देकर सोशल मीडिया पर छाए जावरा एसडीएम अनिल भाना को जिला मुख्यालय अटैच कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुद इस बात की जानकारी सोशल मीडिया (एक्स हैंडल) पर दी है। मुख्यमंत्री ने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया कि, रतलाम जिले के जावरा एसडीएम द्वारा ग्रामीणों से अभद्रता का कृत्य, दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। मेरे निर्देश पर एसडीएम को जिला मुख्यालय अटैच कर दिया गया है। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि, सुशासन हमारा मूल मंत्र हैं। मध्यप्रदेश में नागरिकों से इस तरह का अशोभनीय व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि, रतलाम- नीमच रेल लाइन पर ग्राम बडायला चौरासी के समीप किए जा रहे हैं कार्य के दौरान किसानों व ग्रामीणों ने अधिक मुआवजा देने और अंडरपास बनाने की मांग को लेकर रेलवे का काम रोक दिया था। इसके बाद जावरा एसडीएम भाना दल के साथ मौके पर पहुंचे थे। बताया जाता है कि, इस दौरान किसानों और एसडीएम के बीच विवाद की स्थिति बन गई थी और बात गाली गलौज तक पहुंच गई थी। एसडीएम पर आरोप है कि, उन्होंने ग्रामीणों के साथ गाली गलौज की। किसी ने इसका वीडियो बना लिया जो इंटरनेट पर तेजी से बहुप्रसारित कर दिया। किसानों के अनुसार वायरल वीडियो में एसडीएम गालियां देते हुए सुनाई दे रहे हैं। किसान उनसे कह रहे हैं साहब, गलत शब्द मत कहो। प्यार-मोहब्बत से बात करिए। एसडीएम कहते हैं कि, उनसे तमीज से रहना। मुझे जानते नहीं हो। एक किसान से जावरा एसडीएम ने किसान से यह तक कहा, समझ नहीं आएगा, कहां जाएगा। जमीन तो ले लेंगे।

मरने से पहले युवक ने बनाया वीडियो, बताया मौत का कारण, वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल

माही की गूंज, शाजापुर।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है जिसमें एक युवक सल्फास की गोली खाते हुए वीडियो बना रहा है। वीडियो में युवक मौत का कारण बता रहा है। यह वीडियो शाजापुर जिले के बेरछा थाना क्षेत्र के ग्राम लालाखेड़ी का है, जहां पर एक युवक ने सल्फास की गोलियां खाकर शनिवार को आत्महत्या कर ली थी। ग्राम लालाखेड़ी निवासी अंकित ने अपने ननिहाल में जहरीली गोलिया खाली थी, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन युवक को शाजापुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां पर युवक की मौत हो गई। बेरछा पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। सल्फास की गोलियां खाने से पहले युवक ने वीडियो बनाया था जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो मे अंकित ने बताया कि, अल्ताफ मुझे बदनाम कर रहा था, जिससे परेशान होकर अंकित ने सल्फास की गोलियां खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

मुख्यमंत्री के आदेश का नहीं हो रहा पालन

माही की गूंज, अकोदिया।

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मूख्यमंत्री मौहन यादव ने सबसे पहले आदेश में कोलाहल अधिनियम के तहत लाउड स्पीकर, व डीजे का उपयोग करने तथा खुले में मांस विक्रय पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए थे।

मुख्यमंत्री का फरमान जारी होते ही नगर में स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और आनन-फानन में आदेश का पालन कराने के लिए बैठक लेकर सभी को न केवल समझाईश दी, बल्कि कढ़ाई से पालन भी कराया। लेकिन सरकार के इस आदेश पर एक माह भी पूरी तरह अमल नहीं हो सका। अब सरकार के आदेश की खुलेआम धज्जियां उड़ते हुए देखा जा सकता है। नियमों के मुताबिक शासन ने शोर की सीमा भी तय की है, जिसके तहत आवासीय क्षेत्र में दिन में 50 व रात में 45, साइलेंट जोन में दिन में 50 व रात में 40, कामर्शियल में दिन में रात में 55 तथा 65, औद्योगिक क्षेत्र में दिन में 75 व रात में 70 डेसिबल की ध्वनि सीमा के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किया जा सकेगा। लेकिन नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार के कोलाहल अधिनियम के विपरीत कई जगह लगे लाउडस्पीकर व शादियों में डीजे बजाए जा रहे है।

मांस विक्रय के लिए होना चाहिए अलग बाजार

खुलेआम किए जा रहे मीट के विक्रय पर न तो नप ने प्रतिबंध लगाया है और न ही मीट विक्रेताओं के लिए अलग से कोई बाजार बनाने का निर्णय लिया गया है। ऐसी स्थिति में मीट विक्रेताओं के सामने संकट बना हुआ है। विक्रेताओं की माने तो प्रशासन को इस मामले में ठोस निर्णय लेना चाहिए, जिससे कि बार-बार बनती गलत फहमी की स्थिति से हमें निजात मिल सके।

नप का पोर्टल बंद होने से नहीं मिल पा रहा लाइसेंस

स्थानीय प्रशासन ने सभी मीट विक्रेताओं को कहा था कि, अब कोई भी दुकानदार खुले में मीट का विक्रय नहीं कर सकेगा। उसे मीट का विक्रय करने के लिए लाइसेंस लेना होगा। बिना तो कार्रवाई की जाएगी लेकिन लाइसेंस दुकान संचालित होती है नप का पोर्टल बंद होने के कारण नप में लाइसेंस के लिए दिए गए आवेदनों का निराकरण ही नहीं हो सका, जिससे मीट विक्रेता भी परेशान दिखाई दे रहे हैं।

खुले में बिक रहा मांस फिर भी प्रशासन बेखबर

नगर में मीट व मटन का बाजार अलग नहीं होने के कारण अभी भी रहवासी क्षेत्र के नजदीक ही दुकानें लगाकर इनका विक्रय खुले में किया जा रहा है। सरकार के निर्देश के बाद 15 दिन के लिए इस पर प्रतिबंध तो लगाया लेकिन अब यह प्रतिबंध बेअसर हो चुका है। नगर में आधा दर्जन से अधिक दुकानदारों द्वारा मीट का खुलेआम विक्रय किया जा रहा है। गुरुवार को हाट बाजार होने के बाद साफ तौर पर मीट विक्रेताओं द्वारा खुले में मीट रखकर इसका विक्रय किया जा रहा है।

ग्राउंड में दौड़ते हुए 17 वर्षीय बालक की अचानक हुई मौत

माही की गूंज, रतलाम।

पिछले कुछ समय से कम उम्र में साइलेंट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। चलते-फिरते, वाहन चलाते, दौड़ते-भागते कम उम्र के युवा काल के ग्रास बन रहे हैं। कम उम्र में हो रही इन मौतो से हर कोई हैरान है। सोमवार सुबह शहर के कॉलेज ग्राउंड पर रनिंग कर रहे 17 वर्षीय बालक की अचानक मौत हो गई। मौत का कारण साइलेंट अटैक बताया जा रहा है। शहर के कॉलेज ग्राउंड पर हुई घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया है। शहर के बालाजी नगर निवासी आशुतोष पिता राधेश्याम कुमावत 17 वर्ष की मैदान में दौड़ते हुए अचानक तबियत बिगड़ी और उसके बाद अस्पताल में मौत हो गई।

चक्कर आकर बेहोश हुआ और ले गए अस्पताल

परिजनों के अनुसार आशुतोष सुबह 6 बजे के लगभग अपने दोस्त के साथ दौड़ने के लिए कॉलेज ग्राउंड पर गया था। कुछ देर बाद अस्पताल से उसके दोस्त का फोन आया। इसके बाद परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने आशुतोष के निधन की सूचना दी। बताया जा रहा है कि, आशुतोष कॉलेज ग्राउंड पर दौड़ रहा था इसी दौरान वह चक्कर खाकर बेहोश हो गया। उसके दोस्त सहित वहां मौजूद कुछ लोग उसे जिला अस्पताल ले गए जहां कुछ देर बाद चिकित्सकों से मृत घोषित कर दिया।

दो वर्ष बाद कुम्भकर्णीय नींद से जागा एनएचएम विभाग, फर्जी नियुक्ति पाने वाले की सेवा हुई समाप्त

माही की गूंज, शाजापुर।
अजय राज केवट

स्वास्थ्य विभाग शाजापुर में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत जिला सूचना शिक्षा संचार सलाहकार लाल सिंह परमार ने न केवल जिला कलेक्टर के फर्जी हस्ताक्षर वाली प्रोसिडिंग बना कर फर्जी तरीके से नोकरी प्राप्त की थी, जिस मामले में जांच उपरांत मिशन संचालक ने सेवा समाप्त कर दी।

लाल सिंह परमार ने तात्कालिक कलेक्टर सोनाली वायंगणकर के आदेश, ''जिसमे इसे सेवा में हाई कोर्ट से राहत न होने से नही लिया जा सकता है'' को छुपा कर नवागत कलेक्टर राजीव शर्मा के फर्जी हस्ताक्षर से फर्जी मीटिंग की प्रोसिडिंग बना कर बिना सेवा में हुए उस प्रोसिडिंग पर अपने इनिशियल हस्ताक्षर करके नोकरी प्राप्त कर ली थी। मजे की बात यह है कि, कई शिकायत के बाद भी एनएचएम की नींद 2 वर्ष में तब खुली जब लोकायुक्त भोपाल और उज्जैन ने विस्तृत जांच करके इसकी फर्जी नियुक्ति के फर्जीवाड़े को उजागर करके भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 13 ए, 13 बी, 120 बी, 420, 468, 471 जैसे गैर जमानती प्रकरण को दर्ज करके विभाग के मुख्यालय को सूचना दी। फर्जी तरीके से 8 बर्ष से नोकरी कर रहे इस व्यक्ति ने सरकार से लाखो रुपयों का मानदेय लेकर सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया।

लाल सिंह परमार।

सूत्र बताते है कि, लाल सिंह परमार ने कई वित्तीय दस्तावेज गायब कर दिए और एनएचएम के अधिकारियों की मिली भगत से लाखो रुपयों की राशि की बंदरबाट किया है। हालाकि इस पूरे मामले में जांच के बाद अब मिशन संचालक एनएचएम ने लाल सिंह परमार की सेवा समाप्त कर दी है।

एचआर शाखा वाले बचा रहे थे लाल सिंह परमार को

फर्जी तरीके से कलेक्टर के हस्ताक्षर बनाकर नोकरी पाने वाले लाल सिंह परमार को एनएचएम कार्यालय के एचआर शाखा के अधिकारी और कर्मचारी पिछले 2 वर्ष से शिकायती होने के बाद भी निरंतर बचाने में लगे थे। लेकिन लोकायुक्त की जांच में दोषी पाए जाने के बाद आखिर 2 वर्ष बाद एनएचएम नींद से जगा और मजबूरन ही लाल सिंह परमार की सेवाएं समाप्त करना पड़ी।

जिला कलेक्टर के फर्जी हस्ताक्षर वाली प्रोसिडिंग।

वरिष्ठ भाजपा नेता मनोहर पोरवाल की कार पलटी, चार लोग घायल

वडोदरा से आते समय 8 लेन से 2 किमी पहले हुआ हादसा

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम के वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व महामंत्री मनोहर पोरवाल की कार थांदला से करीब तीन किलोमीटर दूर ग्राम खजूरी में पलट गई। सामने से आई रही बाइक को बचाने में हुए हादसे में पोरवाल सहित चार लोगों को चोट आई हैं। घायलों में पोरवाल की पत्नी भी शामिल हैं। करीब 70 वर्षीय भाजपा नेता मनोहर पोरवाल, उनकी पत्नी मधुबाला, पुत्र विपिन पोरवाल और भाजपा के जिला कार्यालय मंत्री राकेश नागर आवश्यक कार्य से अपनी कार एमपी 43 सीबी 2481 से वडोदरा गए थे। सभी मंगलवार शाम को रतलाम लौट रहे थे। शाम करीब सवा सात बजे थांदला के पास 8 लेन से महज दो किलो मीटर पहले उनकी कार अचानक ही अनियंत्रित हो गई और चार बार पलटी खा गई। जानकारी मिलते ही एसडीएम तरुण जैन, थाना प्रभारी राजकुमार कुंसारिया पहुंचे। एम्बुलेंस से थांदला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया। यहां डॉ. मनीष दुबे, डॉ. रोहित मुजाल्दे और पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा प्राथमिक उपाचर कर झाबुआ के जिला अस्पताल रैफर किया गया।

पुलिस परामर्श केंद्र की मदद से मिले बिछड़े दंपत्ति

माही की गूंज, बड़वानी।

लोक अदालत एवं मीडिएशन के लाभों के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा विवादित प्रकरण जो राजीनामे से निराकृत हो सकते हैं उनके लिए पुलिस विभाग, विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त प्रयास समाधान आपके द्वार योजना के तहत पक्षकारों की सुविधाजनक रूप से 30 जनवरी से निरन्तर कर रहे है। 4 विवादों मे समझौते हुये। विभिन्न ग्रामों से आये ग्रामीण जनों को जागरूकता शिविर आयोजित किये जा रहे है तथा उसी के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार तिवारी तथा पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद (लेवल -3 दल अधिकारी, समीक्षा समिति) के निर्देशन और मार्गदर्शन तथा कोतवाली थाना प्रभारी श्री दिनेश कुशवाह (लेवल -2) के सहयोग से हाल मुकाम ग्राम बडगाव निवासी तीन बच्चों को मिला पिता का प्यार तलाक की चाह वालों के मन मिले मिलन हुआ।

आवेदिका ने आवेदन देकर बताया कि, मैं और मेरे पति 6 माह से अलग रह रहे हैं। हम पति -पत्नि को मिलाया जावे। आवेदिका श्रीमती चंदा पति दिनेश निवासी अंजड़ हाल मुकाम बड़गांव का विवाह 10 वर्ष पूर्व जाति रीति रिवाज से हुआ था। उनकी तीन संतान है पति-पत्नी के आपसी विवाद से 6 माह से अलग रह रहे थे। काउंसलर/पेरालीगल वालेंटियर्स श्रीमति अनिता चोयल ने दोनो पक्षो को मध्यस्थता के फायदे बताये तथा उनका विवाद समझौते के आधार पर निपटाने हेतु प्रेरित किया तथा स्वैच्छिक समझौते हेतु पति-पत्नी के काउंसलिंग कर समझाईश दी। तीन बच्चों को पिता का प्यार दिलाया आवेदिका के आवेदन पर पुलिस परिवार परामर्श केंद्र बड़वानी की टीम ने पति-पत्नी व परिवार जनों को बुलाकर काउंसलिंग की तथा समझाइश दी उसके बाद पति ने माना कि अब घर या बाहर कभी भी पत्नी से विवाद नहीं करेगा, झगड़ा, मारपीट नहीं करेगा। बच्चों को पिता का पूरा प्यार देगा। सुख-दुख में पत्नी के साथ हमेशा खड़ा होगा। पति ने कहा कभी मैं तुझसे नाराज नहीं रहूंगा।

पत्नी ने भी कहा कि वह भी पति की हर बात मानेगी। आपस में समन्वय से कुशल जीवन जिएंगे। तीनों बच्चे माता-पिता को एक साथ देख खुशी जाहिर की परिवार परामर्श केंद्र से एक साथ खुशी-खुशी घर गये। आगामी दिनों में परामर्श केंद्र में 24 फरवरी को उपस्थित होने हेतु कहा गया। इस अवसर पर पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में जागरूकता शिविर का आयोजन भी किया गया । जिसमे समाधान आपके द्वारा योजना की जानकारी दी । तथा मध्यस्थता केंद्र तथा प्री-सीटिंग, लोक अदालत, न्यायिक मामले, विद्युत मामले ,राजस्व मामले, वन विभाग के मामले यदि हो तो पक्षकारों को निराकरण हेतु प्रेरित किया तथा दिनांक 24 फरवरी को उपस्थित रहने के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर ऊर्जा महिला हेल्पलाइन प्रभारी सब इंस्पेक्टर ललीता चौहान, काउंसलर श्रीमती अनीता चोयल, प्रधान आरक्षक आशा डोडवे, आरक्षक गीता कनेश, दोनों पक्षों के परिवारजन, ग्रामीण जन उपस्थित थे।

आरटीआई कार्यकर्ता को गाली मार भागे बदमाश, तलाश में जुटी पुलिस

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में आरटीआई कार्यकर्ता को दो युवको ने गोली मार दी, युवक को कमर के ऊपरी हिस्से में गोली लगी है। गम्भीर हालत में युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे इंदौर रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। यह मामला जिले के बिस्टान थाना क्षेत्र का है।

ऐसे किया हमला

अस्पताल में पंडरी निरगुडे ने बताया कि, उनकी पत्नी हलदीयाघाटी के पास लोनारा की प्राथमिक स्कूल में बतौर शिक्षिका पदस्थ है। खरगोन से सुबह उसे बाइक पर स्कूल छोड़ने गया था। लौटते समय लोनारा से कुछ दूरी पर स्थित गिट्टी खदान के समीप बाइक सवार दो युवकों ने पीछे से फायरिंग की। उन्होंने 2 फायर किए, जिसमें से एक गोली कमर में लगी।

किसी और को देख भागे

इन युवकों ने फायरिंग की तब देखा कि पीछे से कोई बाइक सवार आ गया है, जिसे देख वह भाग निकले। इसके बाद घायल ने अपनी पत्नी और पुलिस को फोन कर इसकी सूचना दी। जिसके बाद उन्हें स्पताल पहुंचाया गया। पंडरी निरगुडे ने बताया वह आरटीआई के तहत जानकारी मांगने के साथ ही वन विभाग के मामलों में शिकायतें कर रखी है। उन्हें आशंका है इसी कारण उन पर हमला किया गया है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला जल उपयोगिता समिति की हुई बैठक

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत प्रगतिरत कार्यो की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बड़वानी आरएस चौहान द्वारा बताया गया कि, जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कुल 702 ग्रामों मे से जल जीवन मिशन अतंर्गत 329 ग्रामों की योजनाएं, लागत 452.91 करोड रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। स्वीकृति प्राप्त योजनाओं में सें 172 ग्रामों मे कार्य पूर्ण, 157 ग्रामों मे कार्य प्रगतिरत है। जिले में पूर्ण तथा प्रगतिरत योजनाओं के माध्यम से माह जनवरी तक एक लाख 13 हजार 549 क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किये गये है।

बैठक में जल निगम के उपमहाप्रबंधक श्री रवि अग्रवाल द्वारा जल निगम द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी दी गई। जिले मे म.प्र. जल निगम मर्यादित भोपाल के माध्यम से 2 समूह योजनाओं, जिनकी लागत 1909.65 करोड़ रूपये है, के द्वारा क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से 682 ग्रामों को आच्छादित किया जाना प्रस्तावित है। म.प्र. जल निगम की 2 योजनाओं (सेगवाल-1, सेगवाल-2) के कार्य प्रगतिरत है। जिनके माध्यम से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से एवं जल जीवन मिशन अतंर्गत क्रियान्वित की गयी एकल ग्राम योजनाओं मे बल्क वाटर के माध्यम से पेयजल प्रदाय किया जाना प्रस्तावित है।

बैठक में कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग द्वारा ग्रामों में नलजल योजनाओं के प्रगतिरत कार्यो एवं रोड रेस्टोरेशन कार्य की विकासखंडवार समीक्षा की गई। बैठक में उपस्थित समस्त जनपद सीईओ को निर्देशित किया गया कि रोड रेस्टोरेशन कार्य की गुणवत्ता की सतत निगरानी रखें तथा नलजल योजना कार्य अंतर्गत जिन ठेकेदार के नाम काली सूची में डाले गए हैं, यदि वर्तमान में भी उनके द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। उन ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने एवं ऐसे समस्त ठेकेदारों को, अन्य जिलों में भी नवीन कार्य आवंटित न करने हेतु कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जगदीश कुमार गोमे द्वारा निर्देशित किया गया कि विद्युत कनेक्शन/चार्जिंग से संबंधित समस्त प्रकरण लोक स्वा.यां विभाग द्वारा पत्र के माध्यम से विद्युत विभाग को प्रेषित किए जाऐं तथा कार्य की प्रगति का नियमित अनुश्रवण भी किया जाए। ताकि विद्युत संबंधी समस्त कार्य समय पर पूर्ण हो। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, म.प्र. जल निगम, तृतीय पक्ष संस्था एवं संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं प्रगतिरत योजनाओं के निविदाकार, उपस्थित हुए।

सुरक्षा सैनिक भर्ती केम्प में 17 यूवाओ का चयन

माही की गूंज, धार। भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली व भारत सरकार पसारा एक्ट 2005 के अंतर्गत एवं मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला धार के सहयोग से सिक्योरिटी स्किल काउंसलिंग इंडिया लिमिटेड के द्वारा ग्रामीण व शहरी शिक्षित बेरोजगार नव युवकों को सुरक्षा सैनिक के पद पर भर्ती कैंप आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को जनपद पंचायत सरदारपुर मे सुरक्षा सैनिकभर्ती केम्प का आयोजन किया गया। जिसमें 44 शिक्षित बेरोजगार अभ्यार्थियों ने पंजीयन करवाया। इसमें से एस आई एस इंडिया लिमिटेड नीमच के वरिष्ठ भर्ती अधिकारी सुरेन्द्र कुमार द्वारा मापदंड के अनुसार 17 यूवाओ का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि इन चयनित युवाओं को नीमच में 1 माह के प्रशिक्षण उपरांत 65 वर्ष तक की स्थाई नोकरी दी जाएगी। महिपाल सिंह कमांडेंट ने बताया कि, अगला कैंप 8 फरवरी को जनपद पंचायत नालछा, 12 फरवरी को जनपद पंचायत बदनावर एवं 13 फरवरी को जनपद पंचायत धार में प्रातः 11 से 3 बजे तक कैंप आयोजित किया जाएगा। इच्छुक बेरोजगार जिनकी योग्यता 10वीं पास उम्र 21 से 37 वर्ष, उचाई 168 सेंटीमीटर हो वे उक्त स्थानों में उपस्थित हो सकते हैं।

मोरम का अवैध उत्खनन करते एक जेसीबी एवं 4 ट्रेक्टर जब्त

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देश पर खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन पर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग के अधिकारियों के दल ने छापामार कार्यवाही कर मोरम का अवैध उत्खनन करते पाये जाने एक जेसीबी मशीन एवं 4 ट्रेक्टर को जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है।

जिला खनिज अधिकारी सावन चौहान ने बताया कि, खनिज निरीक्षक श्रीमती प्रियंका अजनार की सूझबूझ से मंगलवार-बुधवार की मध्य रात्रि में अवैध मोरम उत्खनन करते हुए एक जेसीबी और 4 ट्रेक्टर पर कार्यवाही की गई है। मंगलवार और बुधवार की रात्रि में मुखबिर से लगभग रात्री 11 बजे चोकी अहीरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम उमरियाव में जेसीबी मशीन से मुरम के अवैध खनन की सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए खनिज अधिकारी ने अपनी टीम को सूचना दी तथा खनिज निरीक्षक प्रियंका अजनार ने नेतृत्व में खनिज दल मौके पर भेजा। खनिज निरीक्षक दल के साथ सीधे मौका स्थल पर पहुँचे जहां एक जेसीबी सरकारी बेड़ी से मोरम का अवैध उत्खनन करते हुए पाई गई, जो चार ट्रेक्टरों में मोरम भर रही थी। टीम द्वारा जेसीबी मशीन एवं ट्रेक्टर्स दोनों को तत्काल जब्त कर रात को ही नज़दीकी पुलिस चौकी अहीरखेड़ा की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। इस प्रकरण में अवैध उत्खननकर्ता के विरुद्ध म.प्र. खनिज (अवैध खनन परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है और कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

नहर में गिरी तेज रफ्तार कार, पति-पत्नी की मौत

माही की गूंज, खरगोन। जिले में कार सवार दंपति की कार इंदिरा सागर नहर में गई, हादसे में दंपति की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार को बाहर निकाला। जिसके बाद शवों को अस्पताल पहुंचा। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खरगोन जिला मुख्यालय से करीब आठ किमी दूर स्थित सनावद रोड पर कुंडिया फाटे के पास एक अर्टिगा कार अनियंत्रित होने से इंदिरा सागर नहर में गिर गई। हादसे में कार में बैठे पति-पत्नी राजेंद्र और रेखा बाई की डूबने से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही जैतापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और नहर में उल्टी पड़ी कार को ग्रामीणों की मदद से रस्सियां बांधकर बाहर निकाला।

डूबने से हुई मृत्यु

जैतापुर थाना के एएसआई सुदर्शन ने बताया कि, हमें मोबाइल पर सूचना मिली थी कि छोटी दीपगांव के पास एक कार नहर में गिर गई है। मौके पर पहुंचकर गांव वालों की मदद से कार को निकाला, लेकिन तब तक दंपति की मौत हो चुकी थी। मृतक दंपति अपने घर से खरगोन की तरफ आ रहे थे। इस दौरान यह हादसा हो गया।

बेबाकी के साथ...सच
माही की गूंज
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

सड़क निर्माण के लिए विशेष सम्मेलन का हुआ आयोजन

माही की गूंज, खरगोन।

मध्यप्रदेश शासन की कायाकल्प योजना फेस 01 के अंतर्गत नगर के श्री नवग्रह मंदिर तिराहा से औरंगपुरा चौराहा होते हुए डालकी नदी पुल तक प्रचलित सीमेंट-कांक्रेट रोड़ का निर्माण कार्य अंतर्गत प्रथम निविदाकार के द्वारा नियत समय-सीमा में तकनीकी मांपदण्डों के अनुरूप कार्य नहीं करने से संबंधित का अनुबंध निरस्त कर दिया है। नियम अनुसार द्वितीय निविदा जारी करने के पश्चात प्राप्त न्यूनतम दर के निविदाकार के द्वारा भी नियत समयसीमा के अतिरिक्त समयावधी प्रदान किए जाने के बाद भी तकनीकी मापदण्डों के अनुरूप कार्य नहीं करने पर समय-समय पर कार्यवाही की गई है। समस्त परीक्षण रिपोर्ट में गुणवत्ताहीन सड़क का निर्माण कार्य किए जाने तथा नागरिकों को हो रही असुविधा को दृष्टिगत रखते हुए आज 6 फरवरी को परिषद के विशेष सम्मिलन का आयोजन किया गया।

सम्मिलन में समस्त पार्षदों द्वारा प्रकरण विशेष के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए अपनी उपस्थिती दर्ज कर सर्वानुमति से यह निर्णय लिया गया है कि, त्रुटिकर्ता निविदाकार के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर शीघ्र ही पुनः नियमानुसार अल्प निविदा जारी कर दर आमंत्रित करते हुए शेष रहे सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र ही पूर्ण कराया जाए। साथ ही पूर्व में किए गए गुणवत्ताहीन सड़क के ऊपर डामरीकरण की एक परत बिछाई जाकर उसका समतलीकरण का कार्य करवाया जाए।

बैठक में अध्यक्ष श्रीमती छाया अरूण जोशी, उपाध्यक्ष भोलू कर्मा, सभापति लोक निर्माण समिति चंद्रपालसिंह तोमर एवं समस्त पार्षद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एमआर निगवाल, सहायक यंत्री श्रीमती पल्लवी पाल एवं समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सुरक्षा मापदण्डों की जाँच कर करे कार्यवाही

माही की गूंज, धार।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में जिला आपूर्ति अधिकारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा धार में एलपीजी गैस वितरकों द्वारा गोदामों में संग्रहित गैस सिलेण्डरों के सुरक्षा मापदण्डों की जाँच कार्यवाही की गई। जाँच दल द्वारा रतलाम रोड स्थित धार एचपी गैस एजेंसी गोदाम की जांच कार्यवाही की गई । जांच कार्यवाही में गोदाम में संग्रहित गैस सिलेण्डर विस्फोटक विभाग द्वारा जारी अनुज्ञप्ति मापदण्ड अनुसार गैस सिलेण्डर का संग्रहण एवं गोदाम पर आवश्यक सुरक्षा उपकरण अग्निशमन यंत्र, रेत की बाल्टियों एवं गोदाम व गोदाम की बाउण्ड्री पर सुरक्षा संबंधी आवश्यक स्लोगन लिखे होना एवं दूरभाष नबंर नहीं प्रदर्शित होना पाया गया। जाँच दल द्वारा इंदौर अहमदाबाद रोड स्थित विजू दा दाबा के पास एलपीजी गैस सिलेण्डर से लोड खड़े ट्रक वाहन क्रमांक एम पी 11 ए 7337 जाँच कार्यवाही की गई। जॉच कार्यवाही के दौरान मौके पर उपस्थित लोगों से पूछताछ करने पर उनके द्वारा ट्रक में लोड गैस सिलेण्डर अंजनई स्थित गैस एजेंसी का होना एवं गैस वितरक द्वारा यही से गैस सिलेण्डरों का भण्डारण एवं वितरण होना बताया गया। गैस वितरक श्री शैलेष यादव निवासी ग्राम अंजनई तिरला द्वारा गैस एजेंसी को विस्फोटक विभाग द्वारा जारी अनुमति स्थल से भिन्न स्थल पर भण्डारण कर वितरण करने के कारण मौके पर पाए गया। जिसमें 264 नग भरे घरेलू गैस सिलेण्डर, 4 खाली व्यवसायिक गैस सिलेण्डर मय वाहन को जप्त किया गया। गैस एजेंसी संचालक के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा के अंतगर्त प्रकरण दर्ज किया गया है।

कस्बे में लाखों के टैक्स बकाया, 'जलकर' जमा कराने के थमाए नोटिस

माही की गूंज, आम्बुआ।

ग्राम पंचायत आम्बुआ में प्रशासनिक उदासीनता के कारण कस्बे में विभिन्न प्रकार के टैक्स बकाया पड़े हैं। जिस कारण विकास कार्य तथा सफाई कर्मियों के वेतन, बिजली बिल आदि अनेक भुगतान नहीं हो पा रहे हैं। अभी हाल ही पंचायत प्रशासन की ओर 'जलकर' जमा करने के नोटिस जारी किए गए हैं, जिसका कितना असर होता है यह आगे पता चलेगा। इसके अलावा भी अनेक प्रकार के बकायादारों की लंबी फेहरिस्त है जिन्हें आगामी महीनों में जारी की जाने की बात कही जा रही है।

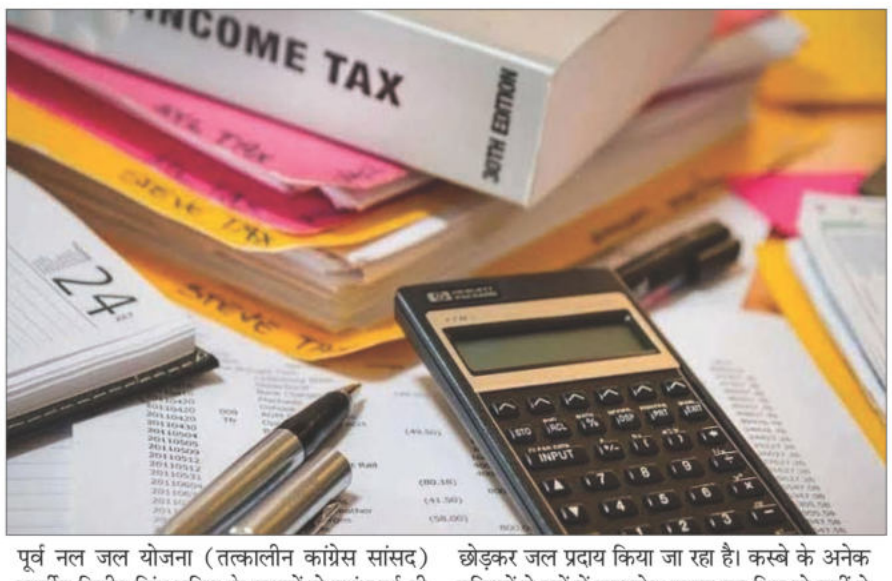

मिली जानकारी के अनुसार कस्बे में लगभग 40 वर्ष पूर्व नल जल योजना (तत्कालीन कांग्रेस सांसद) स्वर्गीय दिलीप सिंह भूरिया के प्रयासों से प्रारंभ हुई थी तब दोनों समय तथा बाद प्रतिदिन जलप्रदाय किया जाता था तथा शुल्क (जलकर) 30 रुपए प्रतिमाह था। जिसके बाद एक दिन छोड़कर एक समय जल प्रदान किया जाने लगा तथा जलकर बढ़ा कर 40 रुपए प्रतिमाह किया गया फिर 60, 70, 90, 100 रुपए किया गया तथा अभी हाल ही में 120 रूपए प्रति माह में एक दिन छोड़कर जल प्रदाय किया जा रहा है। कस्बे के अनेक परिवारों ने घरों में ट्यूबवेल खनन कर लिए तो कहीं ने नल कनेक्शन कटवा लिए। कई परिवार लगभग 200 जल उपभोक्ता आज भी नल से जल प्राप्त कर रहे हैं। एक दिन छोड़कर कुछ समय के लिए दिया जा रहा पानी भले ही पर्याप्त नहीं मिल पा रहा है। मगर टैक्स की बड़ी दरों का किसी ने भी विरोध नहीं किया। नोटिस के कारण बकायादारों में हड़कंप मचा है।

इतने वर्षों से पंचायत जलप्रदाय कर रही है मगर कभी भी टैक्स की वसूली में सख्ती नहीं दिखाई। जो समय पर जलकर दे रहे हैं वह आज भी देते आ रहे हैं मगर कई उपभोक्ता पंचायत की उदासीनता का लाभ उठाकर टैक्स नहीं दे रहे हैं। स्थिति यह हो गई कि, उपभोक्ताओं पर हजारों का जलकर बकाया हो गया। बताते हैं कि, अभी हाल ही में जिन 50 बकायादारों को नोटिस दिया गया है उन पर 1 लाख 20 हजार की लेनदारी निकल रही है। जिन्होंने कनेक्शन कटवा दिए थे उनका बकाया का आता-पता नहीं है। 50 बकायादारों के अलावा भी और बकायादार है जिनको भी नोटिस देने की बात कही जा रही है।

जलकर के अतिरिक्त हाट बाजार, मवेशी बाजार ठेकों तथा दुकानों का किराया, भवन कर, प्रकाश कर का भी लाखों रुपए बाकी है। जिस किसी को पंचायत से कभी कोई प्रमाण पत्र या नोडयूज आदि लेना होता है तब संबंधित को बताया जाता है कि उनका टैक्स बकाया है। उस समय यदि कम हुआ तो भर दिया जाता है या फिर थोड़ा कुछ भरकर शेष जल्दी भर देंगे कह कर प्रमाण पत्र ले लिया जाकर शेष राशि बाकी रह जाती है इस तरह यह राशि बढ़ती-बढ़ती लाखों में पहुंच गई।

पंचायत सचिव नवलसिंह डुडवे ने बताया कि, सभी तरह के बकायदारों को नोटिस देकर आगामी समय में सख्ती के साथ वसूली की जाएगी ताकि पंचायत की माली हालत को सुधारा जा सके।

जन जीवन मिशन के पाइप डालने के लिए खोदा सीसी रोड़

ठेकेदार द्वारा मरम्मत नहीं करने से रहवासी परेशान

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत इंदिरा आवास फलिया तथा हरिजन आवास फलिया में ठेकेदार द्वारा पाइपलाइन बिछाने हेतु सरकारी सीसी रोड़ (खरजां) खोद तो दिया मगर आज तक उसकी मरम्मत नहीं कराई गई जिस कारण यहां के रहवासी परेशान है। गूंज संवाददाता को इंदिरा आवास एवं हरिजन आवास फलिया निवासी भागीरथ चौहान, रामसिंह सिसोदिया, नवलसिंह, प्रदीप वर्मा, कालिया, दिनेश, राजू, मांगू अनिल आदि ने बताया कि, लगभग 2 वर्ष होने जा रहे हैं जब जल जीवन मिशन नल जल योजना के तहत गुजरात के ठेकेदार द्वारा जलप्रदाय हेतु पाइपलाइन बिछाने हेतु नालियां खोदी गई ठेकेदार ने पंचायत द्वारा बनाए गए खरंजे को कई स्थान पर खोद दिया गया। विरोध करने पर उसने रहवासियों को कहा कि वह बाद में खरंजे (सीसी रोड) की मरम्मत करा देगा मगर 2 वर्ष बाद भी उसने मरम्मत नहीं कराई और न ही नालों से जल प्रदाय प्रारंभ किया जिस कारण यहां जल संकट बना हुआ है। साथ ही खरंजा खोद देने के कारण गड्ढे हो गए हैं जिससे परेशानी हो रही है। ठेकेदार अधूरा कार्य छोड़कर कई महीनो से गायब है। निवासियों की मांग है कि ठेकेदार को मरम्मत कराने हेतु प्रशासनिक स्तर पर कार्यवाही की जाए।

बिगड़ते मौसम के कारण गेहूं की फसल पर विपरीत असर

माही की गूंज, आम्बुआ।

इस वर्ष वर्षा कम होने के कारण रबी की फसलों पर आशंका व्यक्त की जा रही थी कि फसलों की बुवाई भी होगी अथवा नहीं मगर इसी बीच विदा होती वर्षा मेहरबान हो गई और दो-तीन दिनों में इतनी अधिक वर्षा हो गई जितनी वर्षा के तीन महीनों में नहीं हुई थी।

इस बारिश ने सूखे पड़े जलाश्य को भरा ही नहीं अपितु उनमें इतनी जल राशि भर दी कि कई स्टाप डेमो तालाबों के गेट खोलने पड़े। इस वर्षा के कारण संपूर्ण क्षेत्र में लबालब भरे जलाशयों को देखते हुए कृषकों के चेहरों पर खुशी छा गई और कृषकों ने रबी की फसलों की तैयारी की खेतों में अन्य फसलों के साथ ही गेहूं की बुवाई भी की तथा गेहूं का रकबा बढ़ाया। जिन खेतों में वर्षा काल में रबी की फसले नहीं उगती थी वहां भी गेहूं बो दिए गए। गेहूं की बुवाई के बाद पुनः वर्षा हो जाने से बीज खराब हो गए मगर कृषकों ने हिम्मत कर पुनः बुवाई कर दी। बीज अच्छी तरह से अंकुरित भी हो गए फसले बढ़ने लगी मगर मौसम फिर बिगड़ा और अभी तक कभी अच्छा तो कभी खराब मौसम बना हुआ है। धूप छांव बादलों की आवाजाही के कारण कई कृषकों के खेत में गेहूं अपनी क्षमता से वृद्धि नहीं कर पाए जिस कारण अधिकांश खेतों में गेहूं की फसले असमय सूखने के साथ ही दाना भी बारीक हो गया है। जिससे कृषकों को हानि की संभावना बढ़ गई है। मौसम के उतार-चढ़ाव के कारण रबी की फसलों में गेहूं का उत्पादन प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

कार्यकर्ता सम्मेलन से कांग्रेस ने तैयार की लोकसभा चुनाव की रणनीति

माही की गूंज, उज्जैन।

लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस द्वारा सोमवार को उज्जैन व इंदौर संभाग की बैठक आयोजित की गई। इसमें मध्यप्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्रसिंह व प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित दोनों संभागों से पदाधिकारी पहुंचे। बैठक के पश्चात राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का लेकर शहर अध्यक्ष रवि भदौरिया ने संभागीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया।

कोयला फाटक स्थित महाकाल परिसर में आयोजित संभागीय बैठक में प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्रसिंह व प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कांग्रेस पदाधिकारियों से चर्चा कर सुझाव लिए।बैठक में उज्जैन संभाग के उज्जैन, मंदसौर एवं शाजापुर के पदाधिकारी से लोकसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर चर्चा की गई। दोपहर बाद रतलाम, धार तथा इंदौर संभाग के खरगोन, बड़वानी और इंदौर जिले के पदाधिकारी के सुझाव लिए। बैठक पश्चात कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया।

बैठक में भंवर जितेंद्र सिंह, जीतू पटवारी, कुलदीप सिंह, सज्जन वर्मा, रवि भदौरिया, महेश परमार, दिनेश जैन बोस ने संबोधित किया। बैठक में पूर्व मंत्री विजय लक्ष्मी साधो, संजय शुक्ला, रवि जोशी, डॉ. बटुक शंकर जोशी आदि आदि उपस्थित थे। संचालन देवव्रत यादव ने किया। आभार नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने माना।

प्रधानमंत्री के आगमन के मद्देनजर कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न

माही की गूंज, आम्बुआ।

आगामी 11 फरवरी को झाबुआ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन हेतु तैयारी बाबद आम्बुआ में विधानसभा स्तर की बैठक का आयोजन किया गया। भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार आगामी लोकसभा चुनाव का शंखनाद करने के लिए जनजाति सम्मेलन झाबुआ में 11 फरवरी को होने जा रहा है। सम्मेलन को सफल बनाने की रणनीति के तहत जोबट विधानसभा क्षेत्र के केंद्र बिंदु कहे जाने वाले आम्बुआ में एक बैठक का आयोजन प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान (वन मंत्री) के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया। जिसमें चौहान ने कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों को आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं को ले जाने आयोजन को सफल बनाने का मूल मंत्र प्रदान किया। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि विशाल रावत, लोकसभा विधायक विधानसभा क्षेत्र संयोजक हीरालाल शर्मा, विधानसभा क्षेत्र जोबट के सभी मंडलों के अध्यक्ष, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष विकास माहेश्वरी, मंडल अध्यक्ष जुवानसिंह रावत, उदयगढ़ से मांगीलाल चौहान, इंदर सिंह चौहान, मुकाम सिंह डावर, इंदरसिंह डावर, मोंटी डावर, अमृतलाल राठौड़, भरत माहेश्वरी, नारायण अरोड़ा, महिला मोर्चा पदाधिकारी आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मांगीलाल चौहान ने तथा आभार राजू मुवेल ने व्यक्त किया।।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

माही की गूंज, बरझर। ग्राम की इंग्लिश मीडियम स्कूल प्रज्ञा पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नर्सरी से लगाकर कक्षा 8 तक के बालक-बालिकाओं ने डांस, नाटक, हास्य मंचन, फैंसी ड्रेस आदि कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर उपस्थित जन समुदाय का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 4 बजे से हुआ जो निरंतर शाम 7 बजे तक चलता रहा। इन परिस्थितियों को देखकर कई बार दर्शकों की आंखों में आंसू आए तो कई बार चेहरे खिलखिला कर मुस्कुरा दिया। मैंनेत्रा की प्रस्तुति को देख पंडाल बार-बार तालिया से गूंजता रहा। प्रोत्साहन स्वरूप इन्हें दर्शक दीर्घा से नगद राशि का पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चौकी प्रभारी शिवकुमार तोमर, सरपंच हिमसिग बारीया व पूर्व उप सरपंच महेश साहू उपस्थित थे। स्वागत उद्बोधन संस्था संचालक उमेश साहू ने दिया। कार्यक्रम का संचालन राकेश साहू, उदित पांचाल और उजमा खान ने किया। संस्था इंचार्ज निकिता सालखे ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रमों की रूपरेखा और प्रस्तुति को देखकर स्कूल के समस्त स्टाफ और मैनेजमेंट की ग्रामीणों ने सराहना की।

रासेयो वालंटियर्स ने कंक्रीट रोड व आंगन बनाने में किया सहयोग

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

शासकीय महाविद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का 7 दिवसीय आवासीय शिविर ग्राम बड़ा भावटा में चल रहा है। जिसके पांचवे दिन वॉलंटियर्स ने परियोजना कार्य के तहत होली फलिया में सार्वजनिक रोड व कंक्रीट आंगन निर्माण में सहयोग किया। जिसकी लंबाई 200 मीटर से अधिक है। इससे ग्रामीण बारिश में कीचड़ से मुक्ति मिलेगी और ग्रामीणों आवागमन में फायदा होगा। इस अवसर पर गांव के सरपंच छगन मेड़ा ने वोलंटियर्स की तारीफ की और कहा कि, इस तरह के सामुहिक श्रमदान करने से ग्रामीणों को फायदा व प्रेरणा मिलेगी। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो.कमलेश गणावा ने श्रमदान के साथ गीत और नारो के माध्यम से वालंटियर्स का हौसला बढ़ाया। बौद्धिक कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसएस डोडवे ने इस कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि, ऐसे कार्यों से वालंटियर्स के मन में समाज सेवा व राष्ट्र सेवा का जज्बा जागता है। साथ अपने विद्यार्थी जीवन के राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर अनुभव साझा किए।

बीए प्रथम वर्ष के युवक ने की आत्महत्या

माही की गूंज, उज्जैन। नागझिरी पुलिस ने मंगलवार-बुधवार रात को उज्जैन-देवास रेल लाइन पर लालपुर क्षेत्र से एक युवक का शव बरामद किया था। युवक दोपहर से लापता था। पिता गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचे तो बेटे की मौत का पता चला। नागझिरी पुलिस के अनुसार मंगलवार रात करीब 8 बजे लालपुर में उज्जैन-देवास रेलवे लाइन पर युवक द्वारा मालगाड़ी से कटकर जान देने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। इस बीच शिप्रा विहार निवासी प्रमेश बघेल अपने 19 वर्षीय बेटे के लापता होने की सूचना देने थाने पहुंचे थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि, उनका बेटा अनुज दोपहर से लापता है। इस पर पुलिस ने लालपुर से मिली लाश का फोटो दिखाया तो प्रमेश बघेल ने लाश अपने बेटे की होने की पुष्टि की। मृतक अनुज के पिता प्रमेश बघेल ने बताया कि उनका बेटा बीए प्रथम वर्ष में अध्ययनरत था और अग्निवीर की तैयारी भी कर रहा था। लेकिन कुछ समय पूर्व उसे ऑनलाइन गेम की लत लग गई थी और वह पढ़ाई और अग्निवीर की तैयारी छोड़कर ऑनलाइन गेम ही खेलता रहता था। इसी चक्कर में उसने कई लोगों से उधार पैसे भी ले लिए थे। एक-दो दिन पूर्व ही उसने अपना मोबाइल किसी को 5 हजार रुपए देने के लिए गिरवी रख दिया था। पिता का कहना है कि, कर्ज अधिक होने से डिप्रेशन में आने के कारण संभवतः अनुज ने आत्महत्या की है। नागझिरी पुलिस प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

श्री आडवाणी को भारत रत्न देने का स्वागत

माही की गूंज, आम्बुआ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं अयोध्या राम जन्म भूमि से जुड़े रहे वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा का पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री का आभार माना है। आम्बुआ के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता भरत महेश्वरी, भाजपा के जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष विकास माहेश्वरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष जुवान सिंह रावत, ठाकुर लोकेंद्र सिंह राठौर (बोरझाड़), संतोष राठौड़, दीपक परिहार, अरविंद राठौर, सुनील चौहान गोपाल राठौड़ आदि ने वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई प्रेषित करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार माना है।

अघोषित विद्युत कटौती से परेशान ग्रामीणों ने दी ग्राम बंद की चेतावनी

माही की गूंज, बरझर।
फिरोज खान

कस्बे में अघोषित विधुत कटौती को लेकर आम जनता अब परेशान हो चुकी है। दिन भर बिजली का आना-जाना लगा रहता है। बिजली आती भी है तो वोल्टेज की कमी के चलते दुकानदार से लेकर आम जनता काफ़ी परेशान हो चुकी है। समय रहते बिजली की समस्या से निजात नहीं मिलती है तो आगामी दिनों में ग्रामीणों ने बरझर बंद को लेकर अपना रूख़ करने की चेतावनी दी है।

बरझर कस्बे में बिजली उपभोक्ताओं को बिजली के आने-जाने व बिजली का वोल्टेज कम रहने के चलते उपभोक्ता काफ़ी परेशान हो रहे हैं। दिन में बिजली कब गुल हो जाए ओर कब आ जाये कोई निश्चित समय नहीं है। साथ ही बिजली आती भी तो 100 से 150 तक ही वोल्टेज मिलता है जिससे चक्की, वेल्डिंग मशीन सहित अन्य उपकरण चल नहीं पाते जिससे अपना व्यवसाय पर बुरा असर पड़ रहा है। अपनी रोज़ी रोटी के लिए लगा रखे उपकरण बिजली कटौती व वोल्टेज की कमी के चलते ख़ासे परेशान दिखाई दे रहे हैं।

विक्रम शाहू व इकरार ख़ान का कहना है कि, वोल्टेज की कमी से चक्की नहीं चल? पाती है। बिजली उपभोक्ताओं के घरों के फ्रिज, टीवी उपक्रम भी चलने में दिक्कत होती है। बरझर प्रज्ञा स्कूल में बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम रविवार को दोपहर चालू हुआ वेसे ही बिजली का आना-जाना लगा रहा जिससे कार्यक्रम में बिजली के आने-जाने से छात्र-छात्राओं का सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत में भी बांधा उत्पन्न हुई। साथ ही बिजली के वोल्टेज के चलते ग्राम पंचायत बरझर के द्वारा पानी की टंकी भी भर नहीं पाती जिससे पेयजल आपूर्ति बरझर कस्बे में एक दिन छोड़कर मात्र आधा घण्टा ही पा रही है।

बरझर कस्बे की बिजली भाबरा बिजली ग्रिड से अलग है जो भाबरा से बरझर डीपी को सीधे जोड़ती है परन्तु बीच में उस बिजली का विभाजन कर दिया जाता है। जिससे बिजली का वोल्टेज कम हो जाता है। जबकि उस बिजली लाइन खेती या अन्य जगह पर बिजली नहीं दी जा सकती उसके बाद किसानों को खेती के लिए बिजली सप्लाई की जा रही है जिससे बरझर कस्बे के ग्रामीण बिजली के वोल्टेज से परेशानियों का सामना कर रहे हैं। यदी समय रहते आजाद नगर भाबरा बिजली ग्रिड से बरझर की बिजली सीधे सप्लाई नहीं की जाती तो आगामी दिनों में बरझर बंद कर आवाज उठाने की बात विभिन्न संगठन कर रहे हैं। आये दिन बिजली की अघोषित कटौती व बिजली का वोल्टेज से कब तक परेशान होने की बात कर रहे हैं।

चोरी करने आए थे या फिर किसी रंजिश के चलते धमकाने...?

मामलाः- काकनवानी में पदस्थ डॉक्टर बबेरिया के यहां लगातार दो रातों तक बदमाशों ने बोला धावा पर चोरी नहीं हुई

माही की गूंज, झाबुआ।

पिटोल चौकी क्षेत्र के ग्राम खेड़ी निवासी डॉक्टर सोबान बबेरिया काकनवानी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पदस्थ है और उनके यहां बदमाशों ने लगातार दो रातों तक धावा बोला पर चोर कुछ भी चोरी करके नहीं ले गए की रिपोर्ट डॉक्टर श्री बबेरिया व परिवार ने काकनवानी थाने व पिटोल चौकी में लिखवाई।

काकनवानी सरकारी निवास व गृह ग्राम खेड़ी (पिटोल) में बदमाशों द्वारा धावा बोला और दोनों जगह किसी को नुकसान भी नहीं पहुंचाया और किसी प्रकार की चोरी भी नहीं हुई ऐसी बात सामने आने के बाद जिले के लोगों में कई तरह की शंकाओं-कुशंकाओं की चर्चा होने लगी है।

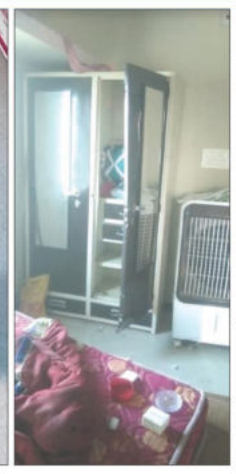

काकनवानी में डॉक टर साहब के यहां लूट की नियत से आए बदमाश अपने हथियार छोड़कर चले गए।

डॉक्टर बाबरिया के गृह ग्राम खेड़ी में सुने मकान में बदमाश पहुंचे चोरी करने, चोरों ने दरवाजा तोड़ा, अलमारी तोड़ी, सामान भी सभी बिखेरा पर चोरी नहीं की।

बता दे कि, शनिवार- रविवार की रात्रि में कुछ बदमाश चोरी व लूट की नीयत से काकनवानी के उस सरकारी मकान पर पहुंचे जहां डॉक्टर सोबान बबेरिया निवास करते हैं। देर रात्रि में बदमाशों ने डॉक्टर साहब के सरकारी मकान का दरवाजा बजाया और डॉक्टर साहब ने भी किसी मरीज का आने का समझकर उपचार करने की नीयत से दरवाजा खोला। लेकिन दरवाजा खोलते ही डॉक्टर साहब के अनुसार दो बदमाश अंदर घुसे और तीन या उससे अधिक बदमाश बाहर खड़े थे। अंदर घुसे बदमाशों ने गर्दन पर पिस्टल व चाकू तानकर लूट करने की कोशिश की लेकिन डॉक्टर साहब ने शोर मचाया और उनके शोर के बाद घर में पत्नी व माँ भी जाग गए और सभी के शोर मचाने पर लूट की नीयत से आए बदमाश अपने हथियार को वहीं छोड़ कर रफू - चक्कर हो गए।

उक्त घटना के बाद स्थानीय रहवासी भी डॉक्टर साहब के साथ हुई उक्त घटना के विरोध में आगे आए और डॉक्टर साहब की सुरक्षा को लेकर ज्ञापन भी दिया। वहीं दूसरी ओर उक्त घटना की जानकारी मिलने पर खेड़ी निवासी परिवार के लोग काकनवानी आए थे कि सोमवार -मंगलवार की रात्रि में ही गृह निवास खेड़ी (पिटोल) के सुने मकान में चोरों ने दरवाजे का नकूचा काट धावा बोला। तथा घर का सामान भी पूरा बिखरा हुआ मिला। यहाँ तक की लोहे की अलमारी को अंट मारकर खोला गया और अलमारी में पड़े जेवरात के बॉक्स खाली अवस्था में बिखरे पड़े थे। उक्त चोरी के बाद ही अनुमान लगाया गया कि, बदमाश काकनवानी में चोरी करने में कामयाब नहीं हुए तो उनके गृह ग्राम खेड़ी में धावा बोल जेवरात व नगदी चोरी करने में बदमाशों ने सफलता हासिल की। पर असल में ऐसा नहीं हुआ सामने आ रहा है।

माही की गूंज प्रतिनिधि ने बुधवार को पिटोल चौकी प्रभारी पल्लवी भाभर से जानकारी ली तो बताया, खेड़ी में भी कोई चोरी नहीं हुई है। मैडम अलमारी में रखे जेवरात के बॉक्स बाहर खाली अवस्था में बिखरे पड़े हैं और आप कह रहे हो चोरी नहीं हुई...? के सवाल में मैडम ने जवाब दिया हां किसी प्रकार की नगदी या जेवरात की चोरी नहीं हुई है जो जेवरात थे वह सभी जेवरात दूसरे लॉकर में थे और वह सभी सुरक्षित है।

उक्त दोनों घटना के बाद जिले में लोगों द्वारा कई तरह की चर्चा की जा रही है। जिसमें पहला यह की काकनवानी में धारदार हथियार व पीस्टल लेकर जो बदमाश लूट की नीयत से डॉक्टर साहब के मकान में पहुंचे और दरवाजा खुलवाकर अंदर जाकर धारदार हथियार व पिस्टल के गन पॉइंट पर भी डॉक्टर साहब को रख दिया, बावजूद डॉक्टर साहब व परिवार गन पॉइंट के बाद भी शोर मचा पाना भी एक चर्चा का विषय है। अगर जिस तरह से मय हथियार के बदमाश लूट की ही नियत से गए थे तो तय है डॉक्टर साहब या परिवार के अन्य सदस्यों को हथियार के बलबूते पर शोर भी नहीं मचाने देते और लूट को अंजाम दे सकते थे। बदमाश अगर छोटी-बड़ी चोरी करने की नीयत से आते तो कदापी डॉक्टर साहब को दरवाजा बजाकर घर के अंदर नहीं घुसते बल्कि घर की किसी दीवार में सेंध लगाकर घर में घुसते की कोशिष करते की चर्चा चल रही है।

वहीं डॉक्टर के गृह निवास खेड़ी की बात करें तो वहां पर तो बदमाशों ने सुने मकान में ही धावा बोला दरवाजे के साथ घर में रखी लोहे की अलमारी को भी अंट लगाकर खोलकर जेवरात के बॉक्स खाली अवस्था में घर में पड़े थे व अन्य सामान भी बिखरा पड़ा मीला लेकिन चौकी प्रभारी अनुसार ही बात माने तो बदमाश किसी प्रकार की चोरी करके नहीं ले गए। और घर में रखे सारे जेवरात अन्य लॉकर में होने के चलते सभी जेवरात सुरक्षित है बताया। ऐसे में यह भी चर्चा चल रही है कि, काकनवानी में तो शोर मचाने पर बदमाश भाग गए बताया लेकिन खेड़ी में तो सुना मकान था और चोर जब मय औजार के चोरी ही करने आए थे तो बिना चोरी के किये ही बदमाश घर में किसी लाकरों में जेवरात छोड़कर चले जाए यह असंभव ही कहा जा सकता है। बता दे की अलीराजपुर जिले के आजादनगर थाना क्षेत्र के छोटा खुटाजा में एक वृद्ध दंपति घर पर थे और बदमाश घर में चोरी की नीयत से सेंध लगाकर घुसे। घर के अंदर कोई जेवरात व नगदी नहीं मिले तो वृद्ध दंपति गेंदीया पिता नरसिंह मावी व पत्नी गोरलीबाई को घसीट-घसीटकर इतना मारा कि आज की तारीख में अस्पताल में भर्ती होकर वृद्ध दंपति उपचार करवा रहे हैं और घर में जमीन के अंदर गड़े हुए जेवरात मटकी में से निकालकर बदमाशो ने चोरी को अंजाम दिया।

आजादनगर थाना क्षेत्र की उक्त घटना को ही देखे तो यह स्पष्ट होता है कि, अगर बदमाश काकनवानी में खुलेआम सरकारी डॉक्टर का मकान का दरवाजा खुलवाकर लूट को अंजाम देने आए थे और बदमाश बिना लूट को अंजाम दिए ही अपने ही हथियार छोड़कर वहां से रफू- चक्कर हो गए। वहीं डॉक्टर साहब के ही ग्रह गांव में अपने निजी मकान में बदमाश सुने मकान में भी बिना किसी चोरी के बदमाश चले गए यह किसी फिल्म की कहानी की तरह ही साबित हो रहा है जो कि किसी को हजम नहीं हो रही।

उक्त दोनों घटनाओं के बाद यही चर्चा हो रही है कि डॉक्टर साहब के साथ किसी की निजी रंजिश है जिसके चलते सिर्फ डॉक्टर साहब एवं उनके परिवार को धमकाने का प्रयास किया गया है। हो सकता है पुलिस दोनों मामलों को एक ही कड़ी के साथ जोड़कर पुख्ता सबूत जुड़ाती है तो कोई न कोई चौंकाने वाली बात सामने आ सकती है।

आदिवासी अंचल के साथ ये भेदभाव क्यो?

रतलाम-झाबुआ मार्ग पर क्या होगी देश के प्रधानमंत्री की नजरें इनायत

माही की गूंज, पेटलावद-बरवेट।

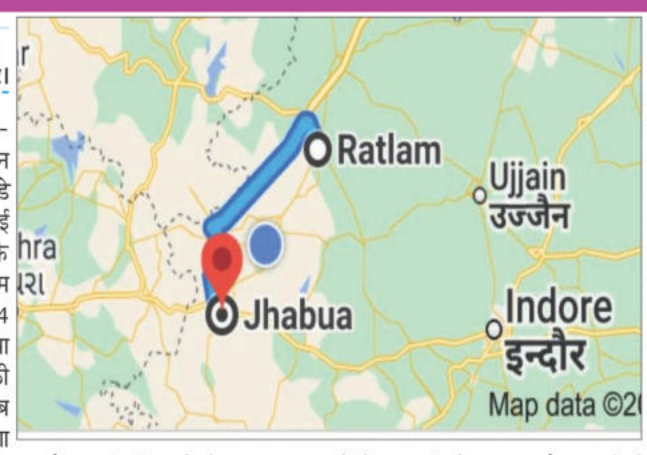

रतलाम-झाबुआ फोरलेन की योजना ठंडे बस्ते में चली गई हैं। योजना के अनुसार रतलाम से झाबुआ 104 किमी का नया फोरलेन बनाने की योजना पर कब काम किया जाएगा यह कहा नही जा सकता है। यह संभावित फोरलेन रतलाम, पेटलावद, रॉयपुरिया, कल्याणपुर होते हुए इंदौर-अहमदाबाद नेशनल हाइवे को जोड़ेगा। करीब 104 किमी लंबा फोरलेन बनाने की तैयारी पिछले एक साल से की जा रही है। लेकिन कब शुरू होगा पता नही। इसकी लागत 2 हजार करोड़ रुपये है और 2025 तक काम पूरा करने का लक्ष्य था। इस नए फोरलेन का नाम होगा-÷एनएच-147 ई÷। लोक निर्माण विभाग ने झाबुआ के नवागांव से रायपुरिया तक 47.6 किमी सड़क नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को सौंप भी दी। दूसरे चरण में आगे के हिस्से में बनी सड़क का हस्तांतरण किया जाएगा। सर्वे का काम पूरा हो चुका है। निजी जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई होना बाकी है। इसके बाद टेंडर जारी होंगे।

गौरतलब है कि झाबुआ से रतलाम के बीच फोरलेन बनाने की घोषणा पहले भी हुई थी। साल 2018 में इसका सर्वे भी शुरू हो गया था, लेकिन सर्वे के बाद यह फोरलेन निर्माण फाइलों में कैद होकर रह गया था। अब दोबारा से इस फोरलेन की सुगबुगाहट पिछले एक साल पहले शुरू हो गई थी। लेकिन उसके बाद यह ठंडे बस्ते में चला गया। इस फोरलेन निर्माण से सबसे ज्यादा फायदा झाबुआ जिले के ग्रामीण किसानों को होगा। झाबुआ जो कि तीन राज्यों से सटा हुआ है। यहां हर राज्य शहर के लोग पहुंचते हैं। इसके लिए वे टैक्सी या बस से सफर करते हैं, लेकिन रोड खराब होने के कारण उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। इस फोरलेन निर्माण की प्रक्रिया कब शुरू होगी पता नही। लेकिन जिस हिसाब से इसकी प्रक्रिया चल रही है उस हिसाब से दो तीन-साल ओर इंतजार ग्रामीणों को करना होगा।

इतना चौड़ा होगा रतलाम-झाबुआ हाइवे

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस फोरलेन सड़क की चौड़ाई जमीन की उपलब्धता के अनुसार 50 से 70 मीटर हो सकती है। कही कम तो कही ज्यादा भी हो सकती है। हालांकि यह फोरलेन सड़क बेहतर यातायात व्यवस्था के हिसाब से बहुत ही महत्वपूर्ण होगी, जिससे आदिवासी अंचल में सफर करना सुगम और सुहाना होगा। इसे लेकर सभी को उत्सुकता है। इस फोरलेन के लिए नए सर्वे के हिसाब से शुरू होगा या पुराने सर्वे के हिसाब से ही जमीनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया के बाद मुआवजा की प्रक्रिया कर फोरलेन निर्माण किया जाएगा यह भी फिलहाल स्पष्ट नही है। जानकारो की माने तो पुराने सर्वे के हिसाब से ही यह फोरलेन बन सकता है।

यहां से गुजरेगा फोरलेन

दरअसल अभी झाबुआ से रतलाम तक डबल पट्टी रोड है जिसके चलते झाबुआ से रतलाम पहुंचने में करीब तीन घंटे लगते हैं। नया 60 मीटर चौड़ा फोरलेन बन जाने से यह दूरी डेढ घंटे में ही तय हो जाएगी। झाबुआ से रतलाम तक बनाए जाने वाला नया फोरलेन झाबुआ के नवागांव से शुरू होगा। यहां से कल्याणपुरा, रायपुरिया, पेटलावद, करवड से रानीसिंग, पलाश, छायन, मूंदड़ी, कुआझागर, कालमोड़ा, तितरी, मांगरोल, करमदी, सालाखेड़ी होते हुए रतलाम से मिलेगा।

करवड़ से लेकर थांदला तक रोड जर्जर ,भविष्य अधर में

रतलाम-झाबुआ मार्ग मुख्यतः रतलाम से होकर रानीसिंग,करवड़, बामनिया, खवासा से होकर थांदला पहुँचता है जहां से राजस्थान और गुजरात की सीमा में प्रवेश करता है। थांदला से एक अन्य मार्ग मेघनगर होकर पिटोल होकर गुजरात राज्य को जोड़ता है। फोरलेन सर्वे के अनुसार नया मार्ग रतलाम से करवड़ के आसपास से होता हुआ रायपुरिया होकर पिटोल की ओर जाता है। जिससे करवड़ से लेकर थांदला मार्ग पर पड़ने वाले गाँवो को बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा और इस क्षेत्र के व्यापार व्यवसाय पर भी फर्क पड़ेगा। वर्तमान में मार्ग की हालत खस्ता है और उक्त मार्ग को लेकर फिलहाल सरकार की कोई कार्य योजना भी नही है। जिससे मार्ग ओर मार्ग पर पड़ने वाले गाँवो का भविष्य अधर में दिखाई पड़ता हैं।

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां होंगी तेज

11 को मोदी की सभा: आदिवासी संसदीय क्षेत्रों में विधानसभा डेमेज को सुधारने की कवायद में भाजपा

माही की गूंज, झाबुआ। मुज्मील मंसुरी

वैसे तो विधानसभा चुनावों के परिणामों ने सभी को चौका कर रख दिया है, लेकिन आदिवासी बाहुल संसदीय क्षेत्रों में परिणामों के विपरीत भाजपा को काफी डेमेज का सामना करना पड़ा है। पश्चिमी मध्यप्रदेश के साथ ही प्रदेश से जुड़े गुजरात, राजस्थान के सीमावर्ती आदिवासी बाहुल क्षेत्रों में भाजपा को विधानसभा चुनावों में कड़ी टक्कर मिली थी और कई सीटें बहुत ही कम अंतर से भाजपा को गवानी पड़ी थी। प्रदेश के पश्चिमी छोर की बात करें तो पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा को यहां कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा था। मध्यप्रदेश व उससे लगे गुजरात व राजस्थान की पांच संसदीय सीटों पर आने वाली 39 विधानसभाओं में से 19 पर ही भाजपा अपनी जीत दर्ज करवा पाई थी। जबकि कांग्रेस ने इस क्षेत्र में 18 सीटों पर कब्जा कर लिया था। बाकी दो सीटों पर भारतीय आदिवासी पार्टी ने जीत दर्ज करवाई थी। जिसमें राजस्थान के बांसवाड़ा जिले की एक विधानसभा और मध्यप्रदेश में रतलाम-झाबुआ संसदीय क्षेत्र की सैलाना विधानसभा पर भारतीय आदिवासी पार्टी ने कब्जा जमाया था।

इन पांच संसदीय सीटों में से गुजरात की दाहोद संसदीय सीट को अगर हटा दिया जाए तो बाकी की चार संसदीय सीटों की विधानसभाओं में भाजपा की हालत कुछ ठीक तो नहीं दिखाई दी है। गुजरात प्रदेश के दाहोद संसदीय क्षेत्र की 7 विधानसभाओं पर भाजपा का एक तरफा कब्जा है। रतलाम संसदीय क्षेत्र में 8 विधानसभाएं है जिसमें से 4 ही भाजपा के खाते में गई है। जबकि 3 सीटों पर कांग्रेस ने अपना कब्जा जमाया है और एक पर भारतीय आदिवासी पार्टी काबिज हुई है। इसी तरह धार संसदीय क्षेत्र की 8 विधानसभा सीटों में से 5 पर कांग्रेस काबिज हुई है और 3 विधानसभा सीटों पर भाजपा। इसके अलावा खरगोन संसदीय क्षेत्र की 8 विधानसभा सीटों में से पर कांग्रेस ने अपना कब्जा जमाया तो भाजपा के हाथ यहां भी तीन विधानसभा ही लगी है। यह तो पश्चिमी मध्यप्रदेश की बात हुई लेकिन प्रदेश से जुड़े राजस्थान के बांसवाड़ा संसदीय क्षेत्र की हालत भी कुछ अलग नहीं है। बांसवाड़ा संसदीय क्षेत्र की 8 विधानसभा सीटों में से 5 पर कांग्रेस का कब्जा है तो यहां भाजपा को सिर्फ दो ही सीटें मिल सकी है। इसके अलावा एक पर भारतीय आदिवासी पार्टी ने यहां कब्जा जमाया है।

11 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे लोकसभा चुनाव प्रचार का शंखनाद

अब जबकि लोकसभा चुनाव सर पर है तो भाजपा विधानसभा चुनावों में हुए इस डेमेज को कंट्रोल में करने की कवायद में दिखाई पड़ रही है। विधानसभा में हुए इस नुकसान की भरपाई के लिए आने वाले लोकसभा चुनावों का बिगुज रतलाम संसदीय सीट से भाजपा फूंकने जा रही है और इसका केंद्र भाजपा ने झाबुआ जिले को बनाया है। रतलाम संसदीय क्षेत्र का झाबुआ जिला चूंकि पांच संसदीय क्षेत्रों का केंद्र बिन्दु है तो लोकसभा चुनाव प्रचार का शंखनाद इसी केंद्र बिन्दु से होने जा रहा है। 11 फरवरी को भाजपा यहां जनजातीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। इस जनजातीय सम्मेलन में शिरकत करने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी यहां आ रहे है। इस जनजातीय सम्मेलन में प्रदेश की रतलाम, धार, खरगोर तथा गुजरात की दाहोद और राजस्थान की बांसवाड़ा संसदीय सीटों के कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। यहां यह भी माना जा रहा है कि, जनजातीय सम्मेलन के रूप में लोकसभा चुनाव का शंखनाद होना है। लोकसभा चुनावों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनजातीय सम्मेलन में शिरकत कर चुनाव प्रचार का शंखनाद करेंगे। कार्यक्रम को लेकर भाजपा जोर-शोर से तैयारियों में जुट चुकी है। आयोजन को लेकर मंत्रियों ने बैठकें और प्रेसवार्ताएं भी की है। झाबुआ जिले में होने जा रहे इस आयोजन को लेकर केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए तमाम तरह की जानकारियां भी मीडिया से साझा की है।

आदिवासी मतदाताओं को पुनः साधने के प्रयास

रतलाम संसदीय क्षेत्र में होने जा रहे इस आयोजन से भाजपा पुनः एक बार आदिवासी वोटरों को साधने की कोशिश कर रही है। कहीं न कहीं पांच संसदीय क्षेत्रों में हुए नुकसान की भरपाई करने की योजना इस आयोजन से भाजपा करती दिखाई दे रही है। यह एक ऐसा मौका भी है जब महज 100 दिनों के भीतर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनावी प्रचार के सिलसिले में रतलाम संसदीय क्षेत्र के झाबुआ जिले में दूसरी बार आ रहे है। प्रधानमंत्री के महज 100 दिनों के भीतर हो रहे इस दूसरे दौरे के राजनीतिक विश्लेषक कई मायने निकाल रहे है। 11 फरवरी को होने जा रहे इस जनजातीय सम्मेलन के कई फायदे और नुकसान गिनाए जा रहे है। मगर एक बात तो तय है कि लोकसभा चुनावों के मद्देनजर फिर एक बार आदिवासी समाज को निशाना बनाकर साधने की कवायदें की जा रही है। आदिवासी बाहुल झाबुआ जिले में आयोजित यह जनजातीय सम्मेलन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा, लोकसभा चुनावों पर कितना असर डाल पाएंगे यह समय के गर्त में है। यह समय आदिवासी मतदाता ही तय करेगा कि जनजातीय सम्मेलन की लोकसभा चुनावों को लेकर कितनी सार्थकता है...?

पांचों संसदीय सीटों पर भाजपा का कब्जा मगर 18 विधानसभा कांग्रेस की

वैसे देखा जाए तो रतलाम संसदीय सीट से लगी चार संसदीय सीटों पर वर्तमान में भाजपा का ही कब्जा है। इसमें एक गुजरात और एक राजस्थान प्रदेश की संसदीय सीट है। मगर बीते विधानसभा चुनावों पर नजर डाले तो इन संसदीय सीटों पर काबिज भाजपा के सांसदों की भूमिका पर सवाल ही खड़े होंगे...? क्योंकि इन संसदीय सीटों पर भले ही भाजपा के सांसद काबिज हो, लेकिन विधानसभा चुनावों में इन संसदीय सीटों पर भाजपा को कहीं न कहीं भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। हालांकि प्रदेश में भाजपा, सरकार बनाने में कामयाब रही है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इन पांच संसदीय सीटों के आदिवासी बाहुल क्षेत्र की विधानसभाओं में आदिवासी मतदाताओं को साधने में भाजपा विफल ही रही है। यही वजह है कि भाजपा प्रधानमंत्री मोदी के जरिए जनजातीय सम्मेलन आयोजित कर पांच संसदीय सीटों में आदिवासी मतदाताओं को साधने में जुट गई है।

रतलाम संसदीय सीट पर गुमान रिपीट या नया चेहरा

रतलाम संसदीय सीट पर वैसे तो भाजपा का कब्जा है लेकिन सांसद गुमानसिंह डामोर की स्थिति कुछ खास अच्छी नहीं है। 2019 के लोकसभा चुनावों में जिस तरह से गुमानसिंह डामोर कांग्रेस के कांतिलाल को हरा कर कबिज हुए थे। उस समय सांसद गुमानसिंह डामोर से संसदीय क्षेत्र की जनता को काफी उम्मीदें थी, मगर पांच साल बीत जाने के बाद भी गुमानसिंह संसदीय क्षेत्र की जनता के दिलों में शायद जगह नहीं बना पाए। गुमानसिंह की जीत के बाद से ही उनकी लोकप्रियता का ग्राफ लगातार नीचे की तरफ ही खिसकता नजर आया है।

स्थितियां ऐसी भी सामने आई कि अपने ही संसदीय क्षेत्र में गुमानसिंह का खुला विरोध देखने को मिला। लोगों में भारी नाराजगी देखी गई और कई तरह के विरोध प्रदर्शन सांसद के खिलाफ देखने को मिले है। अब सवाल यह उठता है कि क्या भाजपा रतलाम संसदीय सीट से गुमानसिंह डामोर को रिपीट करेगी या फिर भाजपा की ओर से कोई नया चेहरा जनता के बीच रखा जाएगा। क्योंकि गुमानसिंह डामोर के चेहरे पर लोकसभा चुनाव लडना भाजपा के लिए नुकसान दायक साबित हो सकता है।

रतलाम संसदीय सीट पर डामोर वर्सेस भूरिया...?

हालांकि लोकसभा चुनावों को लेकर अभी किसी भी पार्टी या दल ने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है, लेकिन संभावनाएं जरूर सुगबुगाहट के रूप में सुनाई दे रही है। जन चर्चा के मुताबिक यह माना जा रहा है कि, संभवतः कांग्रेस की ओर से पूर्व सांसद कांतिलाल भूरिया इस बार लोकसभा के रण में दिखाई देंगे। अगर ऐसा होता है तो भाजपा को अपनी रणनीति सोच समझकर ही बनाना चाहिए। क्योंकि भाजपा के वर्तमान सांसद गुमानसिंह डामोर लोकसभा के रण में कांतिलाल भूरिया के आगे बोने साबित हो सकते है। गुमानसिंह डामोर की स्थिति संसदीय क्षेत्र में अच्छी तो नहीं है। लंबा राजनीतिक अनुभव भी भूरिया के पास है। हालांकि पिछली बार गुमानसिंह डामोर ने ही कांतिलाल भूरिया को लोकसभा चुनावों में पराजित किया था। मगर इससे यह कहीं भी अंदाजा नहीं लगाया जा सकता कि इस बार भी गुमानसिंह डामोर, कांतिलाल भूरिया को टक्कर दे पाएंगे। कुल मिलाकर बात यह है कि लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज 11 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनजातीय सम्मेलन से कर देंगे और आने वाले दिनों में चुनावी सरगर्मियां तेज हो जाएंगी। रतलाम संसदीय सीट पर रोचक मुकाबले की संभावनाएं भी जताई जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422